

GOVERNMENT OF INDIA
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA

Class No. H
Book No. 891.4316
N. L. 38. R 796

MOIPC-81-19 LNL/63-27-5-53-100,000.

छन्दप्रकाश

H/291.121C/R796

Acc 5704 Date 3.3.62

श्रीविकास प्रकाशनालय प्रकाशनयाज्ञानेन
दुर्बलानां विद्यासाधनाय श्रीगणेशाय नमः
पुस्तकालये प्रकाशनालय प्रकाशनालय
परिचालने निमित्तं विद्यायाः प्रकाशनेन
वर्धमानां विद्यायाः प्रकाशनेन
वाचस्पति प्रकाशनालय प्रकाशनालय

प्रकाशनालय

प्रकाशनालय





अथछन्दप्रकाशग्रन्थप्रारम्भः ॥

दोहा ॥

संप्रदायकविजनमते तुलसीकेशवदास ।

रच्योसुरामप्रसादयह भाषाछन्दप्रकास १

क्याल ॥ आनन्ददेतसदानि जदासनसंकटनाशनहै
गनराजा । ध्यानधरेतनकाललहैयशजैरनदैकरतेजग
काजा ॥ टंक ॥ चारगहेकरअस्त्रदयानिधिशीशधरेरच
कीटरसाला । हीरनसेभनकेनगलालनकीकिरणैशशि
हैअतिआला ॥ कंकणकीभनकारकहैकसकैअहिराज
तहैकटिकाला । राजतएकहिदन्तदयाकरदायकआनन्द
नाशकसाला ॥ देखकलेशकोलेशनराखतदासकहैरखते
चितताजाध्यानधरे १ हारगलेलहरातसजेमननाथसदा
जनकेहितकारी । आशलगायरहेनितहीयशशेशनरेश
रटैनरनारी ॥ आरतनाशकरैगननायकमंतकरैनितआ
शतिहारी । दायकसिद्धिकहैसगरेअभरेगनराजघनेअ
घहारी ॥ दीननकेसगरेअघनाशनहैगनने
ताजाध्यानधरे ० २ आदिअनादिअहंस

खण्डगनेशकहाते । अंगलखेलजिजात अनंगगजानन
 कासगरेशिरनाते ॥ जेअरचाकरतेचितसेकलिकालक
 रालकलेशनशाते । अंतलहैगतिसंतनकीगनराजहिये
 जिनकेरचराते ॥ नेहलगाजिनकागनसेहितसेतिनकी
 हठिराखतलाजाध्यानधरे ॥ ३ धारनकैनरकेतनकाकस
 नारसनागनराजहिजाना । दायकआनैददासनहैदुके
 हितसेअसनेहनठाना ॥ लागरहीजगकेहितसेचितचेत
 नहींलगनेकठिकाना । गाजतचंगकहैहरिलालनिहार
 कहैहरिनाथसयाना ॥ चातुरकीचतुराईचलीघहरातझ
 डाभड़चंगयगाजाध्यानधरेततकाललहैयशजैरनदैक
 रतेजगकाजा ४ ॥ ^{सखा} ॥ पांचसौअरुछःवरणसबछंद
 मेंलानाचही । एकसौअट्टानवेदीर्घहरफआनाचही ॥
 तीनसौहैआठइसमेंह्रस्वपहिचानाचही । इसछंदपर
 जोछंदकहपिंगलसेबहछानाचही १ सातसौचारकला
 आवै । बराबरवरणगिनेजावै ॥ भगतमुनिदोदीरघलो
 वै । कथकरचरनप्रतिकविजनयशपावै ॥ विजयछन्द
 अधरकहाध्यान । रामप्रसाददुबेकाज्ञान ॥ ^{सखा} ॥ कला
 अठारहकोचरण पंडितधरहुबिचार । गनहु छिहत्तर
 तीनसौमात्रासर्वनिहार ॥ भारछंदआसोकहतकविजन
 बारम्बार । दुबेरामपरसादनेकहाभेदलखसार ॥ ^{छोसा} ॥
 पदोउलटासीधासंवाद । अर्थनाभंगमध्यअरुआद ॥
 मेरेछंदकोतुराखनायाद । गतागतकहैरामपरसाद ॥
 इसमाफिककधिगावे । वही कविचातुर कहलावे
 मारमरातेरानधरामनमा । मानमराधनरा
 ॥ नाचरचातूसमानयेगैलमना । नाम

लगेथेनमासतूचारचना ॥ नावकयेहैरमताहोवसना ।
 नासबहोतामरहैएकबना ॥ मांगमततूरोरेतूतमगमा १
 नासकजेभयेमनामरासपना । नापसरामनामयेभजेक
 सना ॥ नासहतालचकाहूकोनगना । नागनकोहूकाच
 लताहसना ॥ मानचचबीनानाबीचबनमा २ वैजसुजा
 वैपालफलीचसबै । वैसचलीफलपावैजासुजबै ॥ वैक
 लकातनमानसुलाभनबै । वैनभलासुनमानतकालकबै ॥
 मालकहेरतौतौरहेकलमा ३ राचेकाभौलोभनगातेरा ।
 रातेगानभलोभौकाचेरा ॥ राहेबेदुखलेहैबसखेरा ॥ रा
 खेसबहैलेखदुबेहेरा ॥ मानतरनलहाहालनरतनमा ४
 कोण ॥ षोडशमात्राचरणमेंकविजनकरहुप्रमान । छंद
 बनेयहिभांतिजोचंद्रकलाचितजान ॥ तीनसौबावन
 कुलकलारचनाकरहुसुजान । दुबेरामपरसादनेकीन्हों
 छंदबखान ॥ घोषा ॥ नहिआयेसजनीधनइयाम । वरध
 समग्रीततबैरीयाम ॥ नभावतमोहनबिनधनधाम । सता
 घतहमकोनिशिदिनकाम ॥ नायकासुकियाविरहिनजान ।
 रामपरसादनेकहाबखान ॥ छंदगतागत ॥ वैसतरातिपलक
 नादबै । वैदनाकलपतिरातसबै ॥ ६८ ॥ नमाधोआहै
 जीताजान । नजाताजीहैआधोमान ॥ नचाहपलकाम
 मारीपान । नपारीमागकालपहचान ॥ बैकसआहैहै
 आसकबै १ रहाहियेलखसोचविचार । रचाविचसो
 खलयेयहिहार ॥ रमाजीयेहैहारबिहार । रहाविरहाहैयेजी
 मार ॥ वैननावजीजीवनानबै २ ललावेनावैभावैजाल ।
 लजावैभावैनावेलाल ॥ लचाबसलीभविपतागाल ।
 लमातापविभूलीसबचाल ॥ वैफलफूलै लैफुलफुलै ३

सखाहीमोरनितेखामास । समाखातैनिरमोहीखास ॥
 सदाउरनासुखलेतउसास । ससाउतलेखसुनारउदास ॥
 बैअबेदुरत तरदुबैअबे ४ ॥ चंदगतागन ॥ राकानिसहरख
 लहेजीरागसचारा । राचासगराजीहैलखरहसनिकारा ॥
 टेक ॥ लीआकैसरलीतासायेसजहाली । लीहाजसयेसा
 तालीरसकैआली ॥ लीलारिसाजेसाधनचेलचजाली ।
 लीजाचलचेनथसाजेसारीलाली ॥ राधासिगरालखै
 खेलरागसिधारा १ रीहातगहैकसआजनिहारहिनारी ।
 रीनाहिरहानिजआसकहैगतहारी ॥ रीजातगहैरीहैंसहैं
 सदेतेगारी । रीगातेदेसहसहरीहैगतजारी ॥ राखानिज
 सागरारागसाजनिखारा २ हैतारकरीलालीकछनीठन
 ताहै । हैतानठनीझकलीलारीकरताहै ॥ हैतालचलेता
 धिनधिनाकिरताहै । हैतारकिनाधिनधितालेचलताहै ॥
 राजाहरिनाचैननचैनारिहजारा ३ कैगातरचेनारीहैंस
 अतिगनआकै । कैआनगतिअसहरीनाचेरतगाकै ॥
 कैआसजगजनराजनारहानसाकै । कैसानहारनाजरान
 जगजसआकै ॥ राताजदिहैकरननरकहैदिजतारा ४
 धोण ॥ तीनसौबावनवरणप्रमानाप्रतिचरणषोडशवरणब
 खान ॥ चारसौचौरासीधरध्यान । कलाहैंसर्वछंदकीजा
 न ॥ प्रतिचरणबाईसकलाआवैं । रामप्रसाददुबेगावैं
 सबी ॥ दसबसुकलापुनिबसकला पुनिषटकलाशुभठा
 नये । बतिसकलाप्रतिचरणमें विश्रामवेदबखानिये ॥
 आदिमें धरियेतगनप्रतिचरणयुगलसुमानिये । यहिवि
 धित्रिभंगीछन्दरामप्रसादकहतेजानिये ॥ धोण ॥ चार
 सौबासठवरणसुजान । सातसौचारकलाधरुआन ॥

यगन । ब्रह्मसठछन्दमें परमान ॥ नगनबाईसकरोपहिचा
न । बाईसभगनले पिंगलबान ॥ रामपरसादने कथगा
या । छन्दतिरभंगीकहलाया ॥ छन्दचिमंगी ॥ सोहैनवबा
मा जनुबहुकामा अंगललामा सबगोरी । गर्विसबना
री अरुगिरिधारी नाचसुखारी रचहोरी ॥ टेक ॥ बाजै
सहनाई अधिकसुहाई भांभवजाई गतआला । ता
साभनकारा बजतचिकारा लैकरदाराब्रजबाला ॥ डम
रूकहुंजंगी बजतसरंगी नाचतरंगीनैदलाली । दैदैक
रताली निरततआली तालनिकाली बहुताला ॥ वंशी
धुनिबाजै सुखउपराजै भाषतजैजै चहुँओरी १ घंटाघ
हराते पुरजनगाते शंखबजाते इकतारा । सीटीसनका
वै सुरलखगावै लैदरशावै पदसारा ॥ बाजैबहुढोलैं मु-
हचैंग बोलैं देखकलोलैं दुखटारा । साजैमिरदङ्गै उठ
तउमङ्गै वारितरंगै सुरधारा ॥ बोलालसलोना करजन
टोना रीबसहोनामतिमोरी २ लीन्हेंपिचकारीकरबनवा
री नैननिहारीतकमारी । डालेगलबाहीं सकुचनताहीं
झाड़तनाहीं गहिसारी ॥ झाती गहिआकैहसतनचाकै
कण्ठलगाकै हितभारी । चारौदिशिझाई शुभअरुणा
ई धूममचाई अधिकारी ॥ राधायुतबाला रतनैदलाला
गालनआला मलिरोरी ३ जोवेदनगाये सुयशसुनाये
पारनपाये गुणगाते । वोहैंअबिनासी सबघटबासी सो
सुखरासी कहलाते ॥ सोनारिनचाकै निजउरलाकै ता
लमिलाकै सुखपाते । यहस्यालदुबेको समसरिलैको
गाकहदेको घबराते ॥ योहैंतिरभंगीसबसुखरंगी चाल
सरंगी रसबोरी ॥ ४ ॥

सारसं० १ श्लोक २ चौथा ३ तुगासं० ४ दोहा ५

राधा सायशा मसक्ति भल वन मध्य मिले मु र ति आ ला
म र क त भ नि मै सा ज की ट त न मं जु चार सो है भा ला टेक
ना ये को म ला ग ना रो म न च ति ह र वै ल क व न मा ली
म न म य ग व त म न मे रा ह रि की कृ षि भू ले मा आ ली
को क व व र ने को र सी स स व गु न मे आ ला ह रि ष्या ली
व र व स मा र व गा ता सु न गु न बी न व वा का दू डा ली
खान पा म का मि न सा रा त ज ल गा ने ह व ल मि ल बा ला १
न च त नि तं व मु के म ट क न वी कुं ड ल में शो भा भा री
भू रि भू म षो क ल सी खो र त ग त गा वै शु भ सु र चारी
ल ट क म ट क वी च दा व ता वै व न ता स च रा धा प्यारी
ना च र ही भा मि न दे ता री व नु सु म चि या सी त नु धा री
हृ त क र न र मा री फ ल पा वै भ व ल ल ता वं शी वा ला २
वै धी री र स व सी का ल स व सु फ ल का म प ति के ध्या वे
न व ल का म गा व त चा तु र ल ल ता की र ति के वै गा वे
भा न भ री प्र ति शं ग रि भा व त पा य ल दा रा ठ न का वै
न क ते प्र भा सि का ली के व ल है को व शि स म ह वि छा पे
ना ग भू ता ग न चि त ते ला ज हिं य ह शो भा या सी को बा ला ३
क र ती ले दा द रा स हि त मु र हि त से ले बि भु धा ला वै
रे श म के प ट है शु भ शो भा वै व नि या बि धि व हु बा वै
ज हु त प द्य रं ग सी कु व ती कं ग व डि त सो न ग सा ली
रे क भा ल धु त बे नी आ ला ना ग न क म मु भ सि र रा वै
मु ल क नि तं व व नु ठी वं है क हि ये वा सी व है र सा ला ४
मा स जा त दे र न हिं का नौ दि न आ धा स म पा क बि ता वै
न र मा री वं दै हैं के म म सा य वो ना ता व रं स र सा वै
आ म व धा न द ला ल ना च ते व न ती सं ग शो व भु ना वै
अ न न रा म क व धा म दे क हो र टे म त् वं त हि धा वै
कान न व स्ते सं ग रा धा व न ता सु मु खी ग त दे वी ता ला ५
म न सी है दे ख त वे म धु व न र स क ला ल जो मे भा ते
भू म त म व ल का म क हुं मा वै पु र का की हैं गु न गा ते
ठ ग सी कृ की ध्या न ये र्या व त की र त वि त गा मु क पा ते
आ हि दु बे सु म रे म न ते हि त जो न भ वे धा म हि का ते
न रा य नु तं मे प दे को ल क गा वो व र न म य नी जा ला ६

यत्नी ॥ प्रतिचरणमें बीस अक्षर शुद्ध के कविताधरो ।
बिसराम चार बिचारिये यहि भांति इस छंद को करो ॥ गन
अगन का कुत्र भेदना लै गद्य पद्य यामें भरो । कितने मिले
लक्षण नही तो तुम गुणी हम से डरो ॥ धौका ॥ चरणतज
द्वितीया से गावै । छन्दतब दू सरब न जावै ॥ यहि बिधि
चारो चरण धावै । एकमें चार छंद आवै ॥ राम परसाद यों
फरमावै । छंद इस माफिक कथलावै ॥

तुर्बेन्यारी न्यारी टेक छंद है चार आदिमें एक छन्द प्रतिचर बचत र अलापिका ॥
खेलत होरी लै संग आली ताल बजावै बीन बेहारी ।
कैचित चोरी श्रीवनमाली तान सुनावै लागत प्यारी ॥
टेक मन को मोहै श्याम सलोना मृदंग बाजे धुन में आला ।
चंचल वोहै नंद को कोना कीट बिराजे औवनमाला ॥
समता कोहै ना कोइ होना अनंग लाजे रूप बिसाला ।
आनन सोहै डारत टोना भूषण साजे नैन रसाला ॥
ब्रज की गोरी दै करताली अदावतावै ललतानारी १
लै के सरंगी औयकतारा गोपीगनमें मोहनधूमै ।
पाग सुरंगी रूप है प्यारा राधातनमें हँसकै भूमै ॥
है बहुरंगी नंद दुलारा वृन्दावनमें गजसादूमै ।
रंग बिरंगी मोहरदारा बंसीमनमें मुंह को चूमै ॥
लगावै रोरी मोहन चाली धमाल गावै देख मुरारी २
अबीर डारै मुंह पै आकै जोर जनाते राहमें चलते ।
कंकर मारै आंख बचाकै सखी भिजाते बोला लछलते ॥
गात निहारै नैनन चाकै नारखिजाते नटाले टलते ।
घुनर फारै धमम चाकै सैन चलति चोवा मलते ॥
अंगियावोरी दै लाखें गाली हाथ चलावै लाज बिसारी ३

बेदबखाने नपारपाया गावतजाके गुणकैलासी ।
 नारदजाने जेहिकीमाया रसमेंझाके परैनफांसी ॥
 सोनारिमाने यमुधाजाया साधनचाके बनीहैदासी ।
 पिंगलझाने येरुयालआया मुखथाके करकैहासी ॥
 रसमेंबोरी दुबेनिराली सबकोभावै काव्यहमारी ४

११-१२

अध्यालउपरकीधाल ॥

लैपिचकारी मुंहपैमारी सखीमुरारी बड़ाहैरारी ।
 भिजैकैसारी लखौहमारी इयामअनारी दीन्हीगारी ॥
 टंक्कैबरजोरी लगावैरोरी ब्रजकीगोरी बैसमेंथोरी ।
 दैभकभोरी गागरफोरी चंचलओरी बांहमरोरी ॥
 चूनरकोरी रंगमेंबोरी मोहेनखोरी हमेलटोरी ।
 लैचितचोरी अंगियामोरी हरिनेओरी खेलतहोरी ॥
 जोरपुकारी बनमेंप्यारी छोड़बेहारी मैतोसेहारी १
 खडानिहारै लैरैगडारै अंतसजारै कंकरमारै ।
 दृष्टिनटारै बड़ावैरारै घातविचारै बस्तरफारै ॥
 सुकाजसारै गहिबैठारै उड़ावेझारै नेकनहारै ।
 देखतुकारै सखाहकारै बैनउचारै हमेंपुकारै ॥
 मोहनीडारी तानसुनारी कामरकारी लैबनवारी २
 गुनवाकेरा हैबहुतेरा होतसबेरा बाटमेंघेरा ।
 शिरसेमेरा बरतनगेरा दहीबखेरा क्षीरघनेरा ॥
 कहिकेहेरा आहोवोबेरा भईअबेरा होतअंधेरा ।
 कैभटभेरा रसल्योतेरा दुदकैडेरा करकैफेरा ॥
 योंकहआरी चीरगहारी मैतोबिचारी भईउघारी ३
 आलीहंसरी डालफिसरी कैवेवसरी कीजेकसरी ।
 जीमेंअसरी द्वायारसरी वोगाउसरी जीमेंधसरी ॥

काटीनिसरी झापैबसरी राखोंगसरी जीराबैसरी ।
 चारौदिसरी जादूपसरी धामैबिसरी गावोंजसरी ॥
 दुबेकोभारी ज्ञाननिहारी गानाहैजारी येटकसारी ४

वली ॥ इसीबहुत्तरछंदमेंगिनकेवरणतूलायदे । हरि
 चरणइकइसवरणजिनकेहमेंतूसमभायंद ॥ षटपदीषट
 छंदइसमेंकाव्यमतसेगायदे । कथकहैंरामप्रसादअबतू
 चातुरीबतलायदे ॥ घोषा ॥ सोरठाप्रथमहिधरोबिचारा
 पांचवेंघरदोहानिरधार ॥ यहिबिधिचित्रपदाबिस्तार ।
 छंदहैनागस्वरूपीसार ॥ मल्लिकाइसमेंकरप्रस्तार ।
 छंदयेपांचोबिमलनिहार ॥ एकसेदूजोपंचस्थान । राम
 परसाददुबेकाज्ञान ॥

सोरठा २ दीहा २ चिन्मया २ नगस्वद्विधी ४ भक्तिना २ कंद ६
 रया म अं म सी ला य त रा का रा म स दा भ व ना म ख रा री
 म न मो हे स रो ज स म आ न न दा ता चै त म ना मे भा रो टे क
 कं ग प्र मा की जा भा व र ने ती न भ व मे हे तो त म धा री
 नं ख म को ट मे न के भा न स रा के रा म दा स हुं क का री
 हे मो ह मो सु न्द री को प ट व र न त ना व ने श्री भा खा री
 आ र ह वे द क ह ने ति ने ति यो रा म ना म ह रे भो का री
 रु का ने ही र हें य क गा ये गु रा म हा मं च भा नो भे का री २
 टे न हा र प्र मु मो ख वे क न को को टु खा उ न खा भो ता री
 क ह्यु ग व भा लु गी च तो दे को प गु व र से को भा री ता री
 त म च र दे व लो क फ ल पा रें ला खो मे त र दे के गा री
 ला ल च मे को दे गा क ल य ह का म तु भे की का ल से हा री
 जै क कु घ री च री भें तुं च व रे को वा दि न भ आ वि भा री २
 का ल व ली च नु ग हे भ या न क ह स मा भा भु नु नु मा री
 म नु ते आ नु भ ला है ल क कु ल का ले म लि ठ गे को टा री
 स क को क हा ठुं दू ता पा र स ह, म से ले ते जां च नि हा री
 त भा ल्या ग य ल स मा चै ध न ने को न को न्हे न हीं सु खा री
 खो ल भ रे ये ना य हें भं त न ही नि र खें तुं चं ध य ना री ३
 भा र में ल दो वि व स त ह नी के हा ये डो ल त हे भे टा री
 ने न न च नो म दो ध हि य भ र र स पा ने का खा टो खा री
 न र त न द या ही न धा रे क्का र ता लो भ ख ल मा या पा री
 नि र मे बा स क रो रा म भ व जा पु र पु र हो वें ना ण्वा री
 हा न को न र घु व र हित की न्हे का ना ले चित में ये धा री ४
 ह खा हे पं थ कु पं थे आ ने सु ख म म ता मे हा नि ति हा री
 बि ना भ जे त न ये जा वें गा वृ षा को ट बि ध न हीं ब हा री
 म न से व ने दा स जो ना तुं जि क ल फि रे बे हा ल तु का री
 ल हे क हूं आ रा म न फि रें तुं स णा न को रं थ को पु का री
 कू ठ र हे ये पां चो से र ख ने ह न रा य न का म बि सा री ५
 प थ में पा हे पा र न के ने ध्या न रं ध को म ल कु ल जा री
 हे स प ना मु नि क हें ज ग त ये स ये सु ख ये खो छे का री
 रा म ना म नि त ही ज ग पा व न ना रें भी मे क हे पु रा री
 म न की आ सा ल गा के आ प न रा म प्र सा द मा न या का री
 को ये सा क थ प द गा वे सं ग रे को ये खो धु न क न का री ६

दोसौचौसठवरणइसछंदमेंगिनतीकरो । द्वादशप्रति
 वरणमेंहैशुद्धकेकविताभरो ॥ बाइससगनतुकैआदिमें
 साइसजगनअंतयेधरो । करियेचवालिसभगनइस्मेंद
 गधपदलखकेहरो ॥ धौल ॥ एकसौवरणछिहत्तरजान । छं
 दमेंहस्वगुणीपहचान ॥ धरणचौआलीसदीर्घठान ।
 रामपरसाददुबेकाज्ञान ॥ कपालप्रलम्भटका ॥ सखिलेखेलत
 हैंबिमलफाग । सबगावैमिलकैसरसराग ॥ टेक ॥ कहिं
 बाजैमुरलीमधुरतालातबलामोहरदोलकबिशाल ॥ धुंधु
 रुकीगतनाचतरसाल । गिरिधारीनिरतैसकलबाल ॥ सु
 नहोरीउठतामदनजाग । सबगावैमिलकैसरसराग १
 सहनार्इतुरहीजलतरंग । कहुंतासाचुटकीगतउभंग ॥
 थिरकैतालनपैचढ़तभंग । करडालेसबकेअरुणभंग ॥
 धनसोहैजनुहैअमरबाग २ सखिधावैकरमेंभरअबीर ।
 मलकैगालनत्रीनतसुचीर ॥ पिचकारीचलतीभरतनीरा
 भूमैकिलकैकलकुलअहरि ॥ निरखेवाछबिगौभरम
 भाग ३ गुणगावैशिवजीसकलबेद । नहिंपावैजिनका
 कबहुंभेद ॥ अविनाशीजिनकेगुणअभेद । सपनेमेंकुछ
 नाहरषखेद ॥ करताआपदुबेलखहिजाग । सबगावै
 मिलकैसरसराग ४ गलगत ॥ मानतजैनारीतेहौगनमा ।
 मानगहौतेरीनाजैतनमा ॥ टेक ॥ कैआसाजैहौपासवा
 ससाकै । कैआसवासपाहौजैसाआकै । कैजासबकामों
 काकायापाकै । कैपायाकाकामोंकाबसजाकै ॥ मालपरा
 खायेसारापलमा १ राचेकाभौहैखलवसतेरा । रातेसब
 खखेहौभौकाचेरा ॥ रानेनाहैखलअपनाखेरा । राखेनाप
 अलखहैनानेरा ॥ मारखोभतूजोतूभखोरमा २ बैसना

खोतूनामरटेनबै । बैनटेरमनातूखोनासबै ॥ बैजसुजारेतू
 वैपालफबै । वैफलपावैतूरेजासुजबै ॥ मातरहैमायामा
 हेरतमा ३ रामसोहैयाआसालखेजरा । राजखेलसा
 आयाहैसोमरा ॥ सतेसोगैजागैजोजीखरा । राखजी
 जोगैजागैसोतेरा ॥ मारवेदुजीलेजीदुबेरमा ४ ना
 यकास्वकियाप्रथमफिर भेदइसमेंतीनहै । मुग्धाऔ
 मध्यासीसरी प्रौढ़ायेवेइनकीनहै ॥ देखइनकेभेदल
 क्षणकहै कविपरबीनहै । काव्यपिंगल बहुकबिनकेमतेह
 मनेलीनहै ॥ घोषा ॥ तीनिसौतीसहरफसबखाव । नगन
 गनअट्टासीकथगाव ॥ अंकलघुतीनसै आठसुनाव ।
 अन्तमें बाईसजगनदेखाव ॥ मात्राकुलतीनसै बावन
 आन । रामपरसादसेसिखतूज्ञान ॥ खलामाछन्दकहा
 धरध्यान । बनायापिंगल मतसेज्ञान ॥ छन्दलामा ॥ कछु
 कमइमधुरमधुरमुसकान । अलिनसंगकबहुँलगतअ
 ठिलाम ॥ १ ॥ कछुकसकुचतकछुलगतढिठान ।
 कछुकमनमदनलगतउमडान ॥ चलतगजगवनकछु
 ककरिमान । कछुकतनअबिसुचलगिछहरान ॥ कछुक
 इतउतचित्तकरतपयान १ कछुकरसयुतमुखवचन
 बखान । कछुकरुचिचितसुचलगिउलहान ॥ कछुकम
 नबढ़तसुनतरसतान । कछुकचषचपलमनदुरसखाना ॥
 उठतकुचजनुयुगकलशसमान २ कछुकरुचअभरण
 सुचपहिचान । कछुकअबिसरसतलखिमुखपान ॥ सकल
 तनबढ़तचढ़तमदजान ॥ निरखसबतनउरकसकतवाना ॥
 कछुकलखिगुरुजनलगतिलजान ३ अतिहिचितयशु
 मतिसुतसुखमान । निरखसखिनवलसकलदुखहान ॥

कहतमनसुखदुरमतहनुमान । विमलपदकविजनबुध
मतज्ञान ॥ भनतद्विजइमिकथपदगुनवाच ४ षष्ठिष
टजिसमें यगनबाइसतगनपरमानहै । बाइसभगनबा
इसमगन दुतियाचरणअस्थानहै ॥ एकसेअठयानवे
कुलवरणकीपाहिंचानहै । ह्रस्वछेसठछन्दसोशिवमोद
नामसुजानहै ॥ षोढा ॥ तीनसौतीसकलाविस्तार । छन्द
शिवमोदकाप्रस्तार ॥ एकसौबत्तीसदीर्घविचार । ग्रंथपि
गलसेधरेनिहार ॥ छन्दइसमाफिककथलाना । नहींतो
सनदनहींगाना ॥ नायबाच्यतायेबना । अकेलीगईभाज
पानी । राहमेंइयाममिलादानी ॥ ट्ये ॥ कहेकीचलो
साथमेरे । बाटमेंलालखड़ाधेरे ॥ रहानकोईसखीनेरे ।
नासुनेकोईअलीटेरे ॥ षोढा ॥ करसेकरमोहनगहा चला
मोहिंलेसाथ ॥ गलेलगफेरैसखीमोछातीपरहाथ ॥ परे
नकछूबातजानी १ अगारीहमेंगरेभूमै । जोरसेदावत
हैभूमै ॥ गहेवोउभैगालचूमै । गातवाकोनसकोछूनै ॥ षोढा ॥
जोरकरतमोगातसेअपनेअंगलगाय । मैंवासां छूटाच
होंवोमोसोंलपटाय ॥ नमेरीसुनेइयामबानी २ हलावेह
मेंआपहाले । जोरसेचोटसखीघाले ॥ बजेपैजनाजोरता
खे । इयामवोबांहगलेडाले ॥ षोढा ॥ बहेपसीनाअंगसेभीजे
मेरापीर । कछुलागैनीकोसखीकछूहोततीपीर ॥ कहींमेंमे
रीजोरबानी ॥ ३ ॥ चलीमेंजबैइयामत्यागी । सासुमेरीबकने
लागी ॥ जभीसेहियेआगजागी । रातकेआंखनहींलागी ॥
षोढा ॥ सुनतहैंसीसखियांसबैजोजानेरसरीत । दुबेरामप
रसादकहैंभईइयामसेप्रीत ॥ हरीकोभजोनामज्ञानी ॥ ४ ॥
क्याल ॥ भैबिकल दुरपदी आरतगिरापुकारी । ब्रज

राजआजअबराखहुलाजहमारी ॥ ८ ॥ जहँद्रोणकरख
 भीषमसेहैंब्रह्मधारी । सुतधर्मभीमपारथनेहिम्मतहारी ॥
 कररहाहुशासनसभामेंमोहिउधारी । इनपातितननेहैमे
 रीअपतबिचारी ॥ सबदेखतमेंअबहोतीहुँनाथउधारी ।
 ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमारी १ सबवरणैनि
 गमपुराणसंतभयहारी । करियेसहायकरुणाकस्वामवि
 हारी ॥ तुमतजदूजोजगऔरनहींहितकारी । हेत्राहि
 पाहिप्रभुआरतहरनमुरारी ॥ पतिजातनाथअबकेवल
 आशतुम्हारी । ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमारी २
 दुर्योधनमूरखचहतवजावनतारी । करियेसहाययदुनं
 दनअबकीबारी ॥ भरिनैननीरवोविनवै द्रुपदकुमारी ।
 यहिऔसरराखौलाजनाथदनुजारी ॥ अबनाथरहगई
 तनपरथोरीसारी । ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमा
 री ३ बढचलाचीरभुजखैंचतखैंचतहारी । नाचलत
 किसीकीजबसहायगिरिधारी ॥ खगगयेचीरकेढेरस
 भामेंभारी । लखकौतुकहरषेहरिजनपुरनरनारी ॥ हैं
 दुबेरामपरसादकेप्रभुबनवारी । ब्रजराजआजअबरा
 खहुलाजहमारी ४ करियेसहायनंदनंदनकरोनदेरी ।
 दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ॥ ८ ॥ सबबैठेकौरव
 पांडुसुवनमुनिज्ञानी । युतधर्मभीमपारथनेउरभयमानी ॥
 पतिलेनचहैदुरयोधनहैअभिमानी । तुमआरतहरमह
 राजावेदबखानी ॥ अतिबिकलकहतमोहनमेंतेरीचेरी ।
 दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी १ जोनाथबिनैतुमचि
 तपरनहींलाओगोदासीकेहितयहिऔसरनहींधाओगे ॥
 पतिमयेहरिफिरि क्याजबतुमआवोगे । फिरिदेखउधारी

मनमहैपछतावोगे ॥ तुमदेरकरतकसकनाथहमारीबे
री।दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी २ करगहैदुशासन
चीरमंदमतिठाढो।अबतोयदुनंदनपराहैसंकटगाढो॥सु
खसेजबकरुणाबैनरुदमकेकाढो।थकगयादुशासनचीर
इसतरहवाढो ॥मनिथकितभईलखवदीचीरकीढेरी।दु
रपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ३ जनहितकारीदुरपदी
काचीरसँभारा।नाहुआकाममनदुरयोधनकाविचारा ॥
उनमतिमंदोंकाहरिनेगरबबिदारा।हरिमकनकोहैहरि
कासदासहारा ॥ जनदुबेरामपरसादशरणमेंतेरी।
दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ४ ॥ ग्रीषमचली
इयामनहिआयेवरषाबैरनआवतहै।कासनकहोंइया
मबिनआलीहमकोकामसतावतहै ॥ टेक ॥ जादिन
गयेत्यागहरिगोपी यमुनाकूलकञ्जारनको।व्याकुल
सबैबालकरिमाधौ गयेचेरी।हेतकारनको ॥ मैबिनहरी
भारकरजानो पटभीनेगरहारनको।तापरहमेंदेत
दुखभारीपपिहाप्राणसिधारनको ॥ गावतसखीरागजि
तकोईहमकोनेकनभावतहै १ हेसखिधरोंधीरकहुकैसे
मिलतीनासुधआवनकी।मैंतलफतीरैनदिनआली सु
धआयेमनभावनकी ॥ नैननपरैचैननहिमाई जरैआग
तनतावनकी।याअतुगईरैनदिनरोते फिरआईअतु
सावनकी ॥ मैंतरसतीलालबिनदेखेअनयानीनहिभा
वतहै २ मैकिमिजियोदेखिघनकारे दुखपावोंजलकेवर
से।मोरनअलीशोरसुनलागें निशिकारीलखकैसरसे ॥
दामिनछटादेखहियफाटे मरहोंमारतुरीकरसे।जाकर
कहौकोईदुखमेरोबिनमाधौवनतातरसे ॥ आवहुहरीफे

रयहिखोरोँदुखराधेअतिपावतहै ३ सौतनबसीकीनगिरि
 धारी उनपैडारदईकसरी । मेंबिलपतीहाथमलआली
 कहुरीहैकुबरीकसरी ॥ जावशपेरलालनहिंआये विरहा
 दाहदहैअसरी । गावतनईचालकथरेसी गिरिधारीवि
 रजुहसरी ॥ देकरबडीतालचंगपै तूममआगे मुँहबाब
 तहै ४ ज्ञानगुणदायक बिनायककेचरणचितआयकै ।
 जोरयुगकरमें कहींकरो बासमोउरआयकै ॥ ट्य ॥ बा
 नीबिमलदीजेमुभे कहींबिमलअनन्दबनायकै । बरणोंना
 यकाभेदकहुकथरारदापदध्यायकै ॥ थोषा ॥ लाजयुतानि
 जपतिकोउरध्यान । अंगहैचारुमधुरमूसक्यान ॥ अरु
 एहैअधरजबखायेपान । शीलयुतकहियेसुकियाजाना ॥ म
 नोहरनखाशिखजाकेअंगारामपरसादकोगरजैचंग ॥ शी
 लभरीपतिनेहपगीतनसोहतचारुमनोहरताई । नैननमें
 कजराझलकैसुखआननदेखतइंदुलजाई ॥ ट्य ॥ केश
 मनोहरनागलजावन मांगमनौजलधारबहीहै । चारुहैं
 सीमनमोहतहै द्विदिांतनकीनहिंजातकहीहै ॥ कानन
 भूषणचारुजडेनगरूपकिकाहुनथाहलहीहै । देखतही
 कटकेहरभीचितलाजतकाननराहगहीहै ॥ जातचलीजि
 तहीतितहीसबदेखतमोहतलोगलोगाई । नैननमेंकज
 रा० १ जोनथनीभुलनीभ्रमकैगरहारघनीछबिकोसर
 सावै । सोहतचंपकलीदुलरीतिलरीतनकीद्युतिमेंछबिआ
 वै ॥ आपछलाचुरियाबैगलीकरकंकणकेसुरशोरमचावै ।
 पावनमेंपकपानबजै घुंघुखुबिछियापगमेंभ्रनकावै ॥ कूर
 कियेचितकेकरताविधिनेनहिंदूसरिवामबनाई २ हैगज
 गामिनिनालनवीनबनीचपलासमचातुरनारी । षोडश

केशंगारभूषणगातविशाललसैशुभसारी ॥ जाव
कलासलसेपदमेंसुचचालचलैमदमेंमतवारी । कोविन
मोलविक्रयनहींनखहूशिखहूअसरूपनिहारी ॥ कोवि-
दऔकबिधाकरहैंउपमातनकीकतहूँनहिंपाई ३ कीरति
कीतनयासमऔरनहींदुसरीकहूँनारिललामा । देखतही
सकुचातहियेकमलात्रिबुधालघुलागतकामा ॥ भाषत
छंदअनंददुवेयहिमूरतकीसमकौनसिबामा । चाहत
होंपदकीरजमें निशिबासरगावतहों गुणराम ॥ लो
करचंगअड़ाइसापरमाहरि नमकीराहसपाई ४ ॥
कवी ॥ आगवनयौवनकोजाने मदभरीअठलातहै । क
वहूँनिरखिआईमगनलखिआरसीमुसक्यातहै ॥ कवहुं
भूमकचढ़तीअटा कवहुंमरोरत गातहै । यहिभ्यंति
रामप्रसादभाषत नारीयौवनज्ञातहै ॥ धेन ॥ मगनबाई
सजिसमेंआवैं । चवालीसजगनगिनेजावैं ॥ नगनप्र
तिचरणएकगावैं । एकसौदशदीर्घलावैं ॥ ह्रस्वएकसौ
यौवनभावैं । रामप्रसादयेसमभावैं ॥ एकसौसौठव
रणज्ञानी । तीनिसौकलाचौहत्तरदेख । एविककलाअ
न्दइसेतुलेख ॥ आयोयौवनतनमेंउमड़ात । आलीवा
चलतसमैअठलात ॥ ८ ॥ बैठीसोउठकरकेपरभात ।
लीन्हैंहैमुकुररहीलखिगात ॥ शोभाआननलखिचन्द
लजात । बानीबोलतसजनी सकुचात ॥ देखेमोहन
मुखकोललचात १ सारीहैअरुणचलोफहरात । नैनहैं
चपलनहींठहरात ॥ बोलैवोमधुरमनोहरवात । बोली
मेंपिकगनमोरसिहात ॥ देखोतोविमलछबिब्रहरात २
केशोंमेंचमकघनीलहरात । बाजैपैजनविद्विषाभहरात

ताचीताकीसमकटिहैबलखात ॥ जोईदेखतमुखसोंअकु
 लात । रंभाभी अतिमनमेंसरमात ३ राधेकोनखाशि
 खहै जलजात । मोहेमोहनलखिकैमुसक्यात ॥ मेरे
 तोइसछन्दमेंअबमात । सारादंगलखुशचंगगहरात ॥
 गातेहैंबिमलदुबेइसभांति ४ ॥ ॥ मुगधाजोहैभ
 यलाजयुतरतिनाचहैपतिसंगजी । ताकोनौढाकहतहैं
 कबिताजोहै रसरंगजी ॥ वरणउसमचालसुन्दरगौर
 जाकोरंगजी । चखचपलआननचन्दसाउमगातगात
 अनंगजी ॥ ॥ सगनदोसौग्यारहधरुआन । चार
 सौबाईसहस्वप्रमान ॥ दीर्घ हैंदोसौछिहत्तरजान । छः
 सौअध्यानबेअक्षरमान ॥ सोलाचौदाऔरबीसब्रखा
 न । तीनयेचरणसुभगगुनीठान ॥ चौकप्रतिभेलातीन
 सुजान । वरणसोलह सोलहधरुआन ॥ रामपरसादने
 कथमाया । छन्दत्रिगुनात्मककहलाया ॥ सखिसाधग
 ईथिनईदुलहीकुलिवाई । लखिकैछबिवाछिनवेगिरिधा
 रीजी ॥ हैंसिकैबनितासकुचानिरहीसाखिकीगहिसारी
 जी ॥ ॥ धरिहाथहरीअपनेगहिकंधलगाई यहदेख
 दशागइवासयानीजी । मुँहचूमतचन्दसमानगहेकुच
 मोहनपानीजी ॥ भरिकैजलनैननबालबधूअकुलाई । स
 बगातकैपैनहिंबोलतबानीजी ॥ भइइन्दुबधूसमबालल
 गेहरिहाथसयानीजी ॥ ॥ मुखचूमतजानतआनतइ
 न्दुदुरावै । परसेहरित्योंवहआपनअंगछिपावै ॥ लखिके
 मुखमंजुमनोहरचन्दलजावै । चपलासमसोहतहंसकु
 मारी १ । गहिकैकटिमोहन लापलकपरडालीउलटैप
 लटैशुभगातमरोरेजी । उभकैभभकैसिसकैनिसकैनि

जनेननजोरेजी ॥ जनुसेजपड़ीचपलासमचंचलआ
 लीतडफैअबलाकटिचीरनजोरेजी । पगमेंघुंघरूपक
 पानबजैमुखचूमतमोरेजी ॥ भेला ॥ अबभ्रानफैसीहरिके
 बशबेशगोरी । रसलूटलियाहरिनेकरकेबरजोरी ॥ भ
 रसांसबड़ीबनितानिजनाकसकोरी । कहिहायमरीअब
 जोरपुकारीजी २ करकेलिहरीयुवतीसननेहबद्रायाजब
 बालकहैमतिमोहनबोलोजी । सकुचातहियेयुतलाजकहै
 मतिघुंघटखोलोजी ॥ तनमेंमनमेंरतिकोरसभ्रालसझायो
 वहनारिकहैअंगियानठोलोजी । हमकोअबसोबनदे
 हुललातुमहूंअबसोलोजी ॥ भेला ॥ इसभांतिहरीखु
 शहोसबरातबिताई । बनिताचहती घरजाननदे यदु
 राई ॥ सबरातजगेअखियों भूलकैअरुणाई ॥ यहिभां
 तिगईचलवानिशिसारीजी ३ रजनीवितईचितईमुख
 मोरनबेलीकरजोरकहेंधरहाथनमेराजी । घरजानह
 मेंअबदेहुललाकहती बहुतेराजी ॥ घरनारंगईउठकै
 सकुचातझबिलीनंदलालचले अबदेखसबेराजी । कथ
 कैइसरंगतबंदकहागरजैनिजघेराजी ॥ भरिकैरसमेंयहु
 स्यालसुनोकथगाया । समभैइसकोगुनवानदुबेफर
 माया ॥ तुमकासमभौबिनज्ञानगुनीसरमाया । रखचंग
 करोहमसेलाचारीजी ४ एकतरवरपक्षीदोबैठेचारलगेहैं
 जिसमेंफल । इसदरखतकावोपहिचानेजिसकीहोवैमती
 विमल ॥ देव ॥ शाखातीनसुहावनउपजीतीनसेफिरज्यादा
 बिस्तार । एकशाखमेंपांचडालियांपांचपत्रउपजेगुलजा
 रा ॥ पांचपांचसबरीशाखनमेंनिकलीडालीकरशुमार । एक
 एकमेंदोदोउपजीसुभगवरणउनकाआकार ॥ बड़ातुल

है दरखत मारी देखो इसकी झांह अचल १ हरडाली में दो
 दो डालियां हुवा मुमग इस का फेलावो । तीन में पंद्रा तीस
 पंद्रा में साठ तीस में गिन बतलावो ॥ एक सौ पांच पत्र हैं इस
 में पत्र पत्र को भेद सुनावो । कौन जगे दरखत जामा है कहाँ
 मूलतूक थकै गावो ॥ कौन कौन डाली में कितने गिन बस
 लाना पत्र सकल २ नाम बतलावतू पत्रों के कौन जगे तरव
 र का घूसा चार फल हैं कौन कौन से कौन बतलावतू वर के फूल ॥
 इस दरखत से बाहर है क्या बतलावतू इस का तूल । इसकी
 हवा बड़ी परबल है हवा लगै लोखों भूल ॥ में पूछों दरखत
 में कह दे कौन सी है गीची ज असल ३ बरण इक्कीस चरन में
 इसके मिने लगाये कर ले ध्यान । चार सै घास ठां क छंद के
 चतुराई के कहै बखान ॥ दुबेराम परसाद के चले सबीतरे से
 है गुनवान । मुनशीमन सुखलाल अनंदी से गाने में मत कर
 साम ॥ गाते मोहनलाल सभामें निकल गया निगुरे का बल
 ४ मूल धर्म शुभ शास्त्राणि गुन चार पदारथ वा के फल । पर
 मातम और जीव आतमा पक्षी बैठे उभै विमल ॥ ॐ ॥
 सतगुन में अपतेज और वायून भपृथ्वी पांखौ जान । अपसे
 दाया अधाते ज करि दृढ़ता और बिहवास को मान ॥ वायू मे
 भक्ति और ज्ञान न भसो निर्लोभी धरम बखान । पृथ्वी से धीर
 ज सुशील दायामें सत्य और शील को मान ॥ पवित्र परमार्थ
 अधा दृढ़ता विवेक बैराग्य अचल ५ बिश्वास में संतोष क्षमा
 भक्ति में भाव और प्रेम निहार । ज्ञान से धुन बध्या नहु आनि
 लोभ से कीर्ति यश बिस्तार ॥ धर्म से शील उभै करुणा धीर्य
 से योग वत पहँसार । सुशील में है सुमत दूसरा धर्म देख ले हि
 ये विचार ॥ सतगुन शास्त्रा में इतने डाली पत्र सुन भेद अस



CBAC00005904HIN

नन्दप्रकाश ।

२९

ल २ रज्जेगुनमें शब्द तत्पसमारूप और रसगंध वताया ।
 शब्दमें तेज और दान तत्पसमें असाधना संयम पाया ॥ रूप
 में मन चित रस में सत्यता सुधर्म जिसमें आया । देख दीनता
 और उदारता गंध से इनको उपजाया ॥ तेज में द्रव्य बड़ाई
 दान से सुख होता है भोग असल ३ साधन में सत संग सेवा
 संयम में नाम व्रत ये न्यारा । मन में बुद्धि इंद्रि और चित से प
 वन और रस है प्यारा ॥ सत्यताई में मुयश और उपकार मेद
 सुन ले सारा । सुधर्म समता शील दीन में सुभाग शुभ संगत
 धारा ॥ उदारता में यश उपजान चता हुई इसमें निर्द्वल ४
 तम में प्राण और पान समान उदान व्यान पांचौ शाखा । प्रा
 न में मद मत्सर और पान में कुम तदुर्म ती को राखा ॥ समान
 में तामस निद्रा सुन भेद गुनी कथ कर भाखा । है उदान में है
 दुर बुद्धि दूजा कुसंग में है मन माखा ॥ व्यान में हुआ असत्य
 कपट से हुआ देख आपै ये बल ५ मद से दंभ और अहंकार
 मत्सर से मोह मिथ्या बानी । कुमता कुयश कुशील दुर्म ती
 तृषा अधमता को जानी ॥ तामस में हिंसा और क्रोध निद्रा
 में हानि दुख सुन जानी । कुसंग ईर्ष्या कलह दुर्बुद्धि शोक सो
 च बश अभिमानी ॥ असत्य में पाखंड लोभ है सुन कपट का
 म माया के बल ६ अर्थ धर्म और काम मोक्ष में चार फल शुभ
 सुखकारी । एक सौ पांच पत्र और शाखा इसी में है खिल कत
 सारी ॥ कहै राम परसाद इस की मूल लगती हम को प्यारी ।
 सुखनंदन सुख देन हार कहते इस की ब्रामा भारी ॥ गाते मो
 इन लाल मूल इस की गहि कै हो गये अचल ७ अवत कत्तो
 बांधना याद न तु भेले गोटा । मैदान पंकड़ में तु भपर जड़ों
 ख सोटा ॥ ८ ॥ दस्तीलु कान भटपट बगली पर लार्ज ।

करमोढ़ाटालहथउतारजमीझिकाऊं ॥ गरबचेतोगौमुख
 गलुबंधादिखाऊं । करखपाभुलावातुभकोअधरभुलाऊं
 करपातीतोड़लैकीलीपरतुभेघुमाऊं । तूंगिरदबांहपरब
 चेगिरेहूंकजाऊं ॥ पटकरोकलाजंगएकलंगाअतिखोटा
 १ कसकूलाढांककमचीपरटांगउड़ाकै । बल्लीऔरबाह
 ल्लीगरलपेटपरलाकै ॥ कररुईदस्तमुगलेपरभोंकबघा
 कै । करकैनिकलगुपचुपमेंतुभकोलाकै ॥ घुड़पलान
 भोलीतुभपरखूबबनाकै । कोहनीलपेटथकरूममेंचकर
 खाकै ॥ भटपटअसवारीडालादेखतुभेमोटा २ चिस्साप
 रइंद्रीगरदनऊपरधरकै । पुरियाचरखापरराखागठरीकर
 कै ॥ हप्ताचढ़ायऔरकुफरतोड़कोभरकै । तबकमरकोड़ा
 मेंरोवैगाऔंधापड़कै ॥ मोतीचूरऔरनिकलमेंतूफिरिफि
 रिकै । मुंहतोड़कुड़ेसेबचेगाक्योंकरगिरिकै ॥ उठतेहीउखे
 डपुठीपौदियाभैभोटा ३ हौदाऔरमहोतीगोनढालकिया
 भटका । कैवालसांगड़ाघनचकरनाहिअटका ॥ मुरीऔर
 धड़कामुभेनहींकुबखटका ॥ तिनकासमतुभकोछातीफार
 मेंपटका ॥ करसकलसमेटामारदेखजीसटका । करलकड़
 तोड़मेंभटकातेरीकटका ॥ टिब्बीमोजाकरअलगतूबि
 लकुलछोटा ४ अबदेवबन्दकीदिलसेदहशतखावै ।
 उठतेहीमैनाकेफंदेमेंभटफँसजावै ॥ मतदुबेरामपरसाद
 सेसानबतावै । हैबहुतपेचतूसुनकैमतघबरावै ॥ सीख
 नातुभकोअबबाबूजीसेसिखजावै । रमजानसेमतलड़
 योंढोलाफरमावै ॥ आदमवरुशबटईनेजड़ातुभसोटा ।
 मैदानपकड़मेंतुभपरजड़ोखसोटा ५ शिशिरअंतदरशै
 वसंतघरनहींकन्तजीमेंतरसों । धवनजोरचहुंओरघोर

रहेआंबमौरफूलीसरसों ॥ टेक ॥ बैरीहैकामदुखदैतमा
मभवबरषयामजैसेरतियां । नाकहूंचैनभुरतैहैनैनकरि
सेजसैनफाटेछतियां ॥ होतबेहालबिरहिनीबालसाखिन
हींलालभेजीपतियां । कैकहांवासकरतेबिलासकिसकेअ
वासकरतेबतियां ॥ गैइयामभाखकैअवधपाखअवरहेमा
खबीतीवरसों १ कांपतागातलखिपीरेपातकछुनासुहा
तबेवनमाली । सुनतरागउठैहियेजागबिरहाकीआग
तनमेंआली ॥ जीजातभूललखघनेफूलहीउठतशूलदे
खतलाली । आयेनलालमेंआतिबेहालपदकौनबालमो
हनीडाली ॥ कोकिलाकूकसुनिउठैडूकपरिकौनचूकमेरी
वरसों २ सारीसुरंगसजचारुअंगमनमेंउमंगहैछबिछा
ई । सोलाश्रृंगारतनमेंसैवारगावतसुनारिजीसुखपाई ॥
होकेसुतंतहरिगेदुरंतबैरिनबसंतमालिनलाई।भैकामभी
तभावतनगीनसबबिनामीतभैदुखदाई ॥ बाजोंकीताल
सुनकैबेहालबिननन्दलाललार्गेशरसों ३ हैधन्यनार
जोतनसैवारपीसंगबिहारकैसुखपावै । बार्हीकेकाजआ
योअतुराजसजकैसमाजहीलपटावै ॥ बाजतेचंगउड़
रहारंगकहैदुबेदंगसबहोजावै । ढोलाकुलीनगुणमेंप्रबी
नछंदहैनवीनकथकैगावै ॥ येनईचालकेमोहनलालछं
दसाँचेढालजीहैहरसों ४ चारसेचालीसहरफइसछं
दमेंगनआनिये । प्रतिचरणमेंबीसअक्षरशुद्धकरिकेठा
निये ॥ प्रतिचरणहोअंतरअलापीछंदगतिपहिचानिये ।
कहतेदुबेहरि चरणमेंबिसरामवेदबखानिये ॥ घोषा ॥
चरणतजदुतियासेगावै । छंदपुनिदूसरबनजावै ॥
प्रतिचरणयाँहीकरतजावै । चारछंदएकमेंदरशावै ॥

रामपरसाद नेकथगाया । चंग दंगलखड़काया ॥
 कामसतावै लालबिनारी ननींदआती बसंतआयो ।
 नधामभावे भईदुखारी लिखीनपाती दुरंतआयो ॥
 दे० ॥ येआंवमोरै पलाशफूले कोकिलकूकै देतकसाई ।
 दुःखमोरै उठतीशूले हियमेंहूकै बिनाकन्हाई ॥
 जोरभूकोरै सरसेहूले समीरभूकै हैदुखदाई ।
 ब्रजकीखोरै दुखकीमूले बिरहाफूकै येतनमाई ॥
 कौनसुनावै दशाहमारी इयामसंधाती कहांतुमायो १
 कतौसरंगी सितारबाजै नचैसुबाला मंगलगाकै ।
 रंगबिरंगी श्रृंगारसाजै नारिबिश्मला तालमिलाकै ॥
 झालरजंगी नौबतगाजै धुनमेंआला शंखसुनावै ।
 बाजतपुंगी आठबिसाजै तालतिताला जीलरजावै ॥
 धौननआवै सखीहमारी धड़कैआती रागनभायो २
 भेदुखदाता सबैतमासा नीकनलागै आवतहोरी ।
 कछूनभाता भोगबिलासा बिरहीत्यागे काजररोरी ॥
 सुनेबिधाता पुरवैआसा यहभैमांगौ सजनीमोरी ।
 बिधामिटाता करैखुलासा माग्ययेजागै कबधौमोरी ॥
 कंतनआवै बसीबिहारी सौतसिखाती हमेंभुलायो ३
 नारसुभागी बिसंगसोवै गलेलगावै मदभैटारे ।
 रसमैपागी आनंदहोवै नेहबढ़ाकै अंगसवारे ॥
 कौनअभागी हमसीरोवै बसंतपाकै तनकोजारे ।
 कामकीआगी तनकोखावै विषकोखाकै मरौविचारे ॥
 तुबेबनावै पदहैमारी देहसुहाती चंगबजायो ४
 ॥ तुमब्रह्मातुमविष्णुतुमहीशंकरकैलासी । परब्र
 ह्मसुखधामतुमहीअजरअबिनासी ॥ निराकारनिर्बिकार

तुमघटघटकेवासी । साञ्चिदानंदसबकालनाथ तुमहो
 सुखरासी ॥ धोका ॥ धरूंमेंचरणकमलमेंध्यान । दीजे
 मुझेगुरुजीज्ञान ॥ औरनादुतियातुम्हेंसमान । तुमहीं
 होसाक्षातभगवान् ॥ राखोंमेंपदपंकजकीयाद । कहते
 दुबेरामपरसाद ॥ भूतलरुचिरदिव्यदीपाहैवेदबिदित
 तीरथब्रह्मान । ताथलविचरतशांतरूपश्रीब्रह्मचारीजी
 ब्रह्मसमान ॥ टेक ॥ दक्षिणउत्तरघेरकैवहतीपापहरनरे
 बाकीधार । ब्रह्मकुंडब्रह्मादिकहत्यादहनकरैभवभारप
 हार ॥ भीमकुंडभैरवकरैमज्जनअर्जुनकोकुण्डनिहार ।
 सुरजकुण्डहीकेतमनाशतशुभदीपाकण्ठपञ्चाकार ॥ दी
 पादीप्तज्ञानदीपनअतिनिरखभूमहोवेअघहान १ आ
 सनसुभगसोहैमृगज्वालातेहिपरराजैब्रह्मचारी । तेजपुंज
 पदपद्मजिन्होंकेनखद्युतिअतिशोभाभारी ॥ रागरोगसे
 रहितसदाइन्द्रीजितहितचित्तअविकारी ॥ समताभावस
 खिलचित्तमानौराजतहैतपतनधारी ॥ विमलरूपविज्ञान
 अचलकामनाहीनहैंएकसमान २ करतेकरतेभजनतप
 स्याएकभावहोरहाअचल । षोडशकलामनोशशिराजै
 हियेज्ञानवरतेजविमल ॥ इच्छानास्वप्नांतमेंजिनकेकर
 तलमध्यहैंचारोफल । मानहुंवाथलकलीनहींनिशि
 दिनहैसतयुगकेवल ॥ सोहतसुचविरूपातसुजनजन
 वेदमूर्तीकरैप्रमान ३ धन्यमतिउनपुरुषोंकीजोहैंतनमन
 सेउनकेदास । मोक्षमेंक्यासंदेहध्यानकरतेहीहोवैअघ
 वारुणनास ॥ कहैरामप्रसादहमेंहैनिशिदिनवेचरणोंकी
 आस । ओयचरणचरणोदकपीतेममहियनैभाज्ञानप्रका
 स ॥ ब्रह्मरूपवैमैमानुषतनकसकैवाञ्छबिकहुंबखान ४

प्रथमहीचरणपंद्रहवरणगिनकैगुनीसममायदेदुतिया
 चरणबिश्रामतीनपच्चीसअंकसुनायदे ॥ यहिविधिवना
 केछंदतूमजलिसकेअंदरगायदे । कथकहैरामप्रसाद
 अपनीकाव्यतुंदरशायदे ॥ घोडा ॥ पांचसौबीसवरण
 लाना । छंदपूराकरकेगाना ॥ बोहीकविताचातुरदाना ॥
 रामपरसादकेमनमाना ॥ अगरऐसानछंदआवै । तूमत
 दंगलमेंगावै ॥ श्यामलीसलोनीमुरतनागरनटकी ।
 काननमेंकुण्डलपड़ेजड़ाऊशोभाजीमेंअटकीफिरतीअ-
 टकी ॥ ८ ॥ नगजड़ेमुकुटशिरसोहैआलीआला । आ
 ननदेखमदनलाजैउरसोहैबाहुबिशालागरबनमाला ॥
 बसकरनवजावैबंशीमेंनैदलालासातसुरनसुरतीनग्राम
 सेपदकैजादूडालाहरिगुनवाला ॥ आंखेंदेमारीनहींमान
 तहैहटकी।टरतनटारीइननैननसेअलकनपीरीपटकीमन
 मेंखटकी १ बहुरागरागिनीबजारहेबनमाली । कालेंगड़ा
 कल्याणमधुरसुरदीपकभौबंगालीधुनिमतवाली ॥ कहं
 परजभभौटीटोड़ीराहनिकाली । देशतिलानाधुरपद
 गावतसोहनीश्रीभूपालीबजतनिराली ॥ बिसरायेना
 बिसरतवाञ्छबिकटकी।किंकिणिचारुमोहैमनराखतआया
 बंशीबटकीयमुनातटकी २ अबचलोजहांपरमोहनबीन
 बजावै । एकतोतनमनफैसाबीनमेंदूजेकामसतावैमत
 घबरावै ॥ यासमयसखीकोईहरिकोआनमिलावै । वा
 दिनवहीसैगातनमेरीजीकीतपनबुभावैबिपतनशावै ॥
 जबसेदेखीमेंजुलफगालपैलटकी।तबसेजीतरसैदरशन
 कोलज्जासारीसटकीमेंपरघटकी ३ तनमनसेमेंनैदनं
 दनजीकीदासी । कबैमिलेंदुखहरणहमारेमाघौजीसुख

रासरिहसबिलासी ॥ कथदुबेरामपरसादलावनीखासी ।
 ब्रजबासिनसुखदेतमुरारीवंशीसुनासुधासी बिपतबिना
 सी ॥ कोटिकंजबिड्यामबदनपैघटकी । बाबूजीनेकहा
 तेरीदंगलमेंकलैंगीभटकीमहिमेंपटकी ४ ॥ सखी ॥ होबै
 नौदाकीकछुजबपीवसोंपरतीतजी । बिसद्वनौदासो
 कहावेयेकबिनकीरीतजी ॥ चितमेंचहतकछुनकहत
 कछुभीतजी । कहेदुबेरामपरसादनारिबिसद्वनौदा
 नीतजी ॥ चण्डलचण ॥ घोषा ॥ धरौबसुभगनचरणप्रति
 आन । कलागिनिबतिसचरणप्रमान ॥ एकशतवरणबि
 हत्तरठान । छंदकेवरणदीर्घलेजान ॥ तीनसौबावनहस्व
 बखान । पांचसौअट्टाईसपहचान ॥ हरफछंदमेंइतने
 गिनठान । रामप्रसादकथगावै ॥ छंदसोकीटकहलावै ॥
 चणकिरोटकोउदाहरण ॥ रातजगेकरकेलिपगेदिनकोफिरला
 लनधातलगावत । फंकरमारतनेननटारतनेकनिहारत
 सैनचलावत ॥ टेक ॥ चातुरनारननेकनिहारचलीकुच
 भारछबीबरसावत । नैनननोककछुकरभोंकहैंसीमनरोक
 ललैतरसावत ॥ कामकिपीरहियोबिचचीरगईहनितीरर
 सैसरसावत । गौचितचोरतनाकसिकोरतगातमरोरतलै
 दरसावत ॥ नैननफेरतनेकनहेरतलालचहैरतनारिनि
 आवत १ नारिसुजानगईसबजानकरैनहिंकानकहीनट
 नागर । सोलतलालसुबैनबिशालपियासकराललगी
 यहिऔसर ॥ औरअलीसमुभायभलीपहुंचायचली
 जलदैसाखिकेकर । पैजनिशोरबजेजबजोरचलीपतिओ
 रबनीबनितावर ॥ नारिअधीरसुचौखटतीरगईधरनीर
 चलीसुखपावत २ गौजबबालचलीततकालअबैनदला

ललगेउरशोचन । कोबिनचामहरेदुखकामतमामविथा
 तनकीकरिमोचन ॥ नींदनआवतसेजनभावतधीरनला
 बतहैरतिरोचन । लागिरहाचितनारिगईकितकीननमो
 हितदीखनलोचन ॥ वोजबआवतिमैननशावतिकंठल
 गावतिशूलनशावत ३ रातगईचलआईनचंचलवारम
 योफलराहनिहारत । छंदनयेकथिगावतहैगधिसागरसो
 यथिभेदविचारत ॥ भोरमयोजबजागपरेसबलालबधूत
 बनाहिबिसारत । बाजतचंगसभासबदंगउमंगतअंगसु
 छंदसचारत ॥ भूठनजानकबीमतठानकहापदमानदुबे
 कथगावत ४ ^{७७} ॥ जेहिनारिकेतनहोतहैलाजोमनोजस
 मानजी । तासोकहतमध्यासबैकबिताजोहैगुणवानजी ॥
 रसराजऔरसिकप्रियामतदेखभाषाज्ञानजी । कहेंदुबे
 रामप्रसादमध्यानायकायहिजानजी ॥ चयछंदममगयंदको
 भेद ॥ घोका ॥ भगनआवेइसछंदमेंसात । चरणप्रतियुग
 दीरघदरसात ॥ पांचसौछहधरुवरणमुहात । इसकोस
 मभेकबिताज्ञात ॥ छंदयेमस्तगयंदविशाल । कहार
 सयुतकधमीठीचाल ॥ मस्तगयंदकोठदाहरब ॥ चित्रबिलोक
 तहीघनितालाखिलासनआननकीछविमारी । कोटिनचं
 दनहींसमतामुखसोनिरखैहरखैहियमारी ॥ ७८ ॥ चूमतगा
 लकपोलधुमावतमोदभरीपुनिकंठलगाकोलायरहीधरि
 लोउरमेंकबहुंसकुचैहैंसिनैननचाको । जोरउरोजनभारक
 बोंकरकैहरकैमदकैबसआके । तूरतिअंगअनंगभरीनहिं
 बोस्ततलालरहेमुरभाके ॥ औरमथीइतहुंउतहुंसखि
 देखरहीपियकोमुखवारी ९ ताहिसमयवहिधामअचान
 कआनपरेसजनीनैदलाला । देखतहीहरखैहियमेंगाहि

बालकिलालनबांहविशाला ॥ जोरगहीवहमौनरहीनहि
 बातकहीसकुचीउरबाला । कोबरनेछविवाउनकीमहिता
 करहीयुवतीविहआला ॥ लाजभरीनहिबोलसकीठगसी
 रहिमानहुंसकुमारी २ खोदनलागिमहीनखसोंउरला
 जभरीनहिनेनउठावे । मूलवरौनिनकेछुइकैयुगनेनफिरै
 हियमेंसकुचावे ॥ बोलनआहतबोलिनआवतकंठहिये
 लगिबैनफिरावे । मूरतसीबनिकैबनितारहिबैठकछूनहि
 अंगहिलावे ॥ बांहगहेनहिबोलनडोलतदेखरहेछविवा
 गिरिधारी ३ नारिगईसकुचायहियेइतहुंउतहुंताकतना
 हिनवेली।देखतलालदशातेहिबालकिआपगहेकरनारि
 अकेली॥भावतत्रंदअनंददुबेसमलाजहुकामवसीअल
 वेली।जातनहींकहितासुदशाजहैबालललानाहिऔरस
 हेली ॥ जोकयिकैअसत्रंदकहैकविताकहियेतिनकोगुन
 कारी४॥निजपतिसौरसकेलिमेंजोघालअतिपरबीन
 है । तामोंकहैप्रौढात्रियाकविराजजोरसलीनहै ॥ येमेद
 जानेंवेगुणीजिनकविनकेसैंगकीनहै । कहतेहैंरामप्रसाद
 तूतोमूढमतिकहीनहै ॥ ५॥ जगमप्रतिचरणमेंआवैं
 चार । तहांधरद्वादशवरणविचार ॥ दीर्घअट्टासीहरक
 निहार । तीनसेबावनकलासंवार ॥ एकसौवरणत्रिहत्तर
 धार । ह्रस्वहैयेगिनबारंवार ॥ दोसौचौंसठवरणललाम ।
 छंदजबहोवैमोतीदाम ॥ चौकप्रतिदोहाकाविश्राम ।
 बनावैगिनकैकलातमाम ॥ मोतीदामकोठदाधार ॥ पगीप
 तिनेहलगीउरबाम । करेरसकेलिसुनारिललाम ॥ टेंग
 परीचपलासमचातुरनारि।मनोबहुकेलिकलानउधारि॥
 रबीजतिकोककलाचितधारि । कबौमुखवमतनैननि

द्वारि ॥ दोहा ॥ कटिनि तम्ब ऊंचे करत स्थों स्थों रस उमड़
 त । कथहुँ मुख लखिलाल को मदन भरी मुसक्यात ॥ उभै
 सुख लूटत हावश काम १ गखेल गि भूपत केलितरंग ।
 उरा जाहि ये मसकै गहि अंग ॥ भरोँ सिसकी अति मोद उमंग ।
 रहा तन में अति पूर अनंग ॥ दोहा ॥ रति सुख लूटत पीव सै
 ग हरि रंगीली बाल । जोर करत लपटत हि ये उर हर
 पत नै दलाल ॥ ब्रजै पग पै जनि वाक्य विधाम । करै सुख ० २
 करै पिय के अधरोर सपाना रही उर में लगि नारि सुजान ॥ भु
 कै कटि भोंकन ही सुख मान । न वै जिमि नै मूलतान कमान ॥
 दोहा ॥ मै न द्रवत लपटत स्वरी अरे अरे कहि वै न । पीउर लप
 टी सुख भरी रही मूँद दोनै न ॥ कहै सुख को कविसो विश्राम
 म । करै रस केलि सुनारि ललाम ३ यही सुख बीत गई
 सब रात । लखा पतिको दिग से जब जात ॥ रही लपटी
 धुवती पति गात । न कोइ दत कण्ठ घनी ललचात । दोहा ॥
 जाने पतिको देत ना कहती नाकु ब्रवै न । दुबेराम परसाद सों
 कहै अभी है रैन ॥ अबै लखलाल निशाय कयाम । करै रस
 केलि सुनारि ललाम ४ करम जनस कखत जन ररट हरह
 र मन धर धर नल हर पद अघ हरन तरत जन बन करा । कर ब
 रज सवरण न जगत भरम सबत जनल । नल अगम बहत
 जग जल धतर सक्य करवल ॥ बल करत बहत मतलहत
 कहत सबत जलल । बलत जत अचल पदलहत दहत सब
 कलमल ॥ मल सकल दहत हर कहत डरत जग यम क
 र ॥ करम सकल भल जगत बन जन बहर जन । जनम
 लनल कब हर भवन गवन बन हर गन ॥ गन जम डर पतल
 ल भसमल गत जन नरतन मन । हर हर हर कहत रहत न

लधनधन । धनसकलवदतजसरटतरहत असमनकर २
 करअचलभवनवसगहतमजगतवतननर । नरतजत
 नलहगतअमरसरसवसहरधर ॥ धरवनसवसमतम
 अमलभजनबलअधजर । जरजमतजमतलखदरस
 तभजनअमरवर ॥ वरसतरसतवलखअलखअजर
 पदरतकर ३ करहतनसकलमलसपनसरसनललख
 जग । जगमगतचरणहरसवतजकरमनअवलग ॥ लग
 सरनकमलपद गहकरतजअवलखलग ॥ मगअ
 सलगहतगतलहतअचलखलगनठग ॥ ठगपनत
 जभजहरभनतचतरहरधनकर ४ प्रौढामव्यामानमें
 येतीनभांतिसोजानिये । धीराअधीसनायकाधीराओ
 धीरामानिये ॥ यहिभांतिरामप्रसादभाषतकाव्यमतप
 हिंचानिये । रसराजऔररसिकप्रियाकुञ्जअन्दभेदाहिआ
 निये ॥ १ धोखा ॥ चरणप्रतिचारसगनआवे । तेहीकवि
 जनत्रोटकगावै ॥ वरणदोसौचौंसठलावै । दीर्घअट्टा
 सीदरशावै ॥ एकसौह्रस्वत्रिहत्तरजान । रामप्रसादबुद्धे
 काज्ञान ॥ दोष ॥ कररचनाजोवैनमेंकोयजनावैनार ।
 मध्याधीराकहतहैं कविताताहिविचार ॥ अदत्त ॥
 तुमकोहमदोषकहांधरिये । निजभागनसेदुखमेंमरिये ।
 तुमआवततेलगिकामगयो । यहितेतुमऔरनधाम
 गयो ॥ रजनीवितईवदभेरभयो । यहसांचनहींमिस
 लाललयो ॥ हमबोलतमेंतुमसेडरिये १ हमतेतुमभूठ
 नहींकहते । चिततेहमकोबहुतेचहते ॥ बिनकामनहीं
 कतहंतरते । करऔरनकोतुमनागहते ॥ रौरसमता
 कसकैकरिये २ हमभोगनकामवृथाअसकै । विधना

यहि भाखलिखीजसकै ॥ तुमकोहमदोषधरैकसकै ।
 नहिआयहुकामविषेफसकै ॥ यहभागलिखीकिनसेल
 रिये ३ हमरोहितसेसबरातजगे । अलसातललामम
 नेहपगे ॥ हमहीबिनरातननैनलगे । कसकैहितमेंयुग
 नैनरंगे ॥ दिनरातदुबेहितमेंसरिये ४ ॥ ॐ ॥ कहे
 बेनरोपलमेतजोत्रियकंधसोतेगुणगहो । मध्याच्यौ
 भीराजानबुवती लखहियेकविजनकहो ॥ यहिभांति
 रामप्रसादइनकेभेदसबचितमेंमहो । यहछंदसीखोरसि
 कजनजोनमकाजावाचहो १ ॥ ॐ ॥ एकसौसगत
 कहिरामान । इससेतूदुमिलाछंदपहचान ॥ वरणप्रति
 चरणमेंचौबीसआन । आठहैदीर्घइसमेंपरमान ॥ षोड
 शवरणह्रस्वआवै । रामप्रसाददुबेगावै ॥ तुमकोवरजे
 अबकौनकहो । जितहीतितहीतुमलालचहो ॥ अबना
 करियेहरिलाखनसौहचलोउतहीजितरातरहे ॥ के ॥
 हमकोनहिभावतनेकललाहँसिबोरसकीकरिबोचतियां ।
 मतछेंइहरीहमकोसुनलेसबजानतमेंचितकीधतियां ॥
 तुमजाकरवाढिगकेलिकरोजिनकेसंगमेंबितईरतियां ।
 बिनतीउनसेकरियेहँसिकेजिनकीतुमरातलगेवतियां ॥
 उनकेतुमजायगहोपगकोजिनकेकुचरातनिशंकगहे १
 जिनकेरसमेंतुमलालरहेसगरीनिशिअंकलगायजगे ।
 मुखचूमतभजनदागलगेअलसातखरेजनुनैवरंगे ॥
 जिनकेबशभूलगयेहमकोउनसेकरिकेलिहियेउमगे ।
 कुञ्जकामनहींहमरेढिगहैतुमजाहुललाजिननेहपगे ॥
 अबजाहुतहीं जिनकीवतियांलगिसोवतलालअनंदल
 हे २ दुसदेहुनसोवनदेहुललामतछेंइकहीमममानहरी॥

हमरोनहिंमानरहोतनकौ नमनावहुमोहिंघरीसुघरी ।
 जिनकेकरबेंचदियोमनकोसगरीरजनीरसकेलिकरी ॥
 अबजाहुमनावनबोहिललाहममानबिनावहमानभरी ।
 हमसेमतबोलललासुनियोभलनाहिंविचारिहुदेतकहे ३
 मनसेअसकैमनमोहनलालनहींसमभीतुमकोअसकै ।
 अबमानहुनातुमलाखकहोतुमजाववहीजिनलौबसकै ॥
 यहभाललखेअबिजावककीअधरौकजराअपिहैकसकै ।
 मनजारनकाजसुनावतहोमनमोहनयेबतियाहसकै ॥
 तुमलाखकहोनाहिंमानहुलालदुबेबनितारहिटेकगहे ४॥
 होरी ॥ आजमोहनखेलहोरीसंगसखियांराधागोरी ।
 बाजैवंशीऔरमृदंगभांभमंजीरामोहचंगबरसेचोवारी
 री ॥ रंगरंगसेकीन्हेलालेअंगलियेगुलालभरेभोरी ।
 तरुणबनितावारीभोरी १ साथराधाकेहैंगीवामलीन्हे
 सखासाधमेंश्यामगातेफागहैंलैलैनामहोरी । मचीनंद
 केधामश्यामजीबकैधनीगारीनाचतेहरिदैदैतारी २ ता
 सासहनार्इकीसाजधौसाघंटारहाहैगाज आलीरीगावे
 बजराजहोरी । खेलेलियेसमाजसांवलीसुरतहैप्यारी ॥
 बजावतहैवंशीन्यारी ३ दुबेनेरूयालयगायाहै । छंदये
 नयासुनायाहै ॥ अनंदीकेमनभायाहै । चंगचौताल
 बजायाहै॥देखकेसुखपावैनारी॥फागवृंदावनमेंजारी ४॥
 कर्पूरांगंकरुणाभवनंजटाविशालंधृतंफणीशं । डमरूह
 स्तंगजचर्मावरभवनंमस्तेगिरिजाधीशं देवाकोटिप्रभाक
 रतरुणतेजंभस्मांगवरहैअखत्रिशलंशुभांगेवरगंधलेपं
 धिदानंदशिवत्रिभुवनमूलं ॥ अखेअनादिनिर्वाणरूपंन
 यस्यव्याप्तंसुखंनशूलं । अजंअखंडंशिवअविकारंस्व

तंत्रव्याघ्रं त्रालदुकूलं ॥ सेव्यतिपदांबुजनिर्त्यं शुचि
 ब्रह्मादिकसुरमुनिर्दशं १ त्वं वृषाटनत्वं वृषभध्वजत्वं
 प्रचाननत्वांकृपालं । त्वंगंगाधरनीलग्रीवं त्वंसुखमासी
 मंडरमुंडमालं ॥ त्वं करतारं त्वं भरतारं त्वं हरतारं करा
 लकालं । नाशश्चमंगलश्चालयमंगलश्चनंगदहनं जन
 प्रणपालं ॥ भवं दयालंकृतश्चल्पयोगे गिरिजाकांतं
 धृतरजनीशः २ एको शिवनास्ति द्वितीयो अलख
 अभेदं भवसुखरासी । शिवं त्रैगुणां त्रिगुणाकारं विष्णुव्या
 पकं अजश्च विनासी ॥ प्रभाश्च नृपदेवस्य देवं जगज्जनकं
 इमशानवासी । सदस्यकुंभं अनेकतोयं युतराविसमत्वं
 सर्वप्रकासी ॥ अनाथनाथं त्वं भूतनाथं चरणपतालं स्वर्ग
 स्य शीशं ३ अनंतरूपं अनंतनामं अलख अनामयत्वं
 सर्वत्रं । त्वं त्रिपुरारी भवभैहारी अरुणजलजसमशुभत्रै
 नेत्रं । शीघ्रप्रसीदं शिवकरुणाकरतुमस्य अर्पण पुष्पं
 पत्रं । दायकमोक्षविभवश्चालै त्वंसत्यं जपशिवशिवमं
 त्रं ॥ रामप्रसादपदांबुजरेणू इच्छानित्यं हे जगदीशं ४ ॥
 चंपेयवरणंकपूरगौरार्धशरीरकायादिव्यं स्वरूपं । धमिल्ल
 यकेस्यैश्च जटाधराय नमामि शंकरप्रभाश्च नृपं ॥ टेक ॥
 मंदारमालाकुलितालकाय शुभांगार्धांगकपालमालां ।
 दिव्यांबरायै च दिगंबराय अनूपरूपाय शिवंकृपालं ॥ प्र
 फुल्लनीलोत्पलस्य लोचनं विकासपंकेरुहं विशालं । सत
 कुण्डलाय फणिकुण्डलाय प्रसन्नवदनां त्वं त्रिकालं ॥ अं
 भोधराभाव्यलकुन्तलाय तडित्प्रभापिंगजटानिरूपं १
 जगज्जनन्यै जगदेकपित्रे चलतध्वनत्कंकणनूपुराय । क
 स्तूरिकाकुंकुमचर्चिताय चितारजःचर्चितपंजराय ॥ दि

व्यांगदायभुजंगागदायप्रचंडरूपायगंगाधराय । सदा
 शिवायशिवदायकायसदासुखायत्वभवंहराय ॥ त्रैलोक्य
 मूलायकृतोध्यमायविनाशनायचभवस्यकूपं २ कैलास
 वासंदेवस्यदेवायनृत्यंकरायचत्रैलोक्यसारं । अनाथ
 नाथंभूतादिनाथंनमामीशमीसांकरुणावतारं ॥ अखण्डं
 अनादिंअक्षैअभेदंत्वंविश्वनाथंचत्वंनिर्विकारं । निर्वाण
 शांभोनचपुण्यपापंशिवायुतंत्वंइच्छाबिहारं ॥ त्रैगुणस्व
 रूपंसर्वांगदिव्यंनमोनमस्तेवेदस्यरूपं ३ त्वांपदांबुज
 धृतंचचित्तरिसालगिरलभतंकैलाशंविनाशं । कृतआ
 वागमनमुचभवंतितस्यब्रह्मप्रकाशं ॥ भजंतिनित्यंसभ
 क्रियुक्तंतेधन्यपुरुषंज्ञानंनिवासं । प्रसिद्धनाथंकरुणाय
 भवनंरामप्रसादंत्वमस्यदासं ॥ गजानन्ददुर्गाप्रसाद
 द्विजकृत्वाअर्पणदीपंधूपं ४ हरहरनसकलभवभरमअ
 खलखलखमनधर । धरशरनलगनकरतनमनभजनरहर
 हर ॥ टे ॥ हरकहतदहतअघसकलकहतअसनरवर ।
 वरवसनसनरचलअमरनगरअवचलकर ॥ करलगन
 चरनतजसकलजगतललवरनर । नरतनधरअवकस
 भरमतखललखधरधर ॥ धरलहतसकलफलपदरज
 गहजगतनधर १ हरजनपलजनजसरटतकटतसवयम
 डर । डरमतकरअवभजचरनहरनकलमलसर ॥ सर
 चलततरसलखमरनजनमअवजगपर । परभरमवहत
 जलपतजडमदवशअसखर ॥ खरसमनरजवतजभज
 नचलतमगपदधर २ हरषतजनतनमनचरनकमलध
 रकरमन । मनलगतभगतअघसकलअधकभलकत
 तन ॥ तनघटतरटनकरहरहरहरहरदमजन । जनमत

जगमरमरअवकरतनमनअरपन ॥ पनचलतसकलअ
 ववचनसकलतजमनधर ३ हरअनपलभरमततजभज
 नरवरपदअव । अवभटकतकसघटघटपरघटवरनतक
 व ॥ कवअलगरहतहरदमकरवसतनमनसब । सवरट
 तरहतजसमरघरकरवरननअव ॥ अवअलखलखतगत
 लहतभजतअसपदधर ४ धरघरनलखनजवगरजतत
 रजतबलकर । करसमरजलघटतखलनहततधरधनस
 र ॥ टे ॥ धरनधसतजवचलतमगनमनकपदल।दलम
 लतखलनधरपटकतभटपटकरबल ॥ बलहतनसकल
 खलगनडरपतलखरनथल । थलथलवरसतसरलइत
 सकलखलकरअल ॥ अलबलदरशततनतजतसकल
 भटरनकर १ धरधरधरधरसबकरतलइतहरषतभ
 ट । भटकतभटतनकनमरतकरतरनझटपट ॥ पटकत
 पदधरधरधरनउपरभटतनकट । कटकटकरपदतनभ
 रसरकतभटडरफट ॥ फटकतखलगनकटमरतलहतग
 ततरकर २ धरतरवरकपकरमरदतखलदलभटवर ।
 वरसतजलसमसररनलखहरषअमरहर । हरकरपद
 सरहनगतखलतनतजयमधर । धरअमरनगरखल
 करतसमरकरतमधर । धरअचरलहतगततरटयशमन
 पदगहकर ३ धरशरनसकलभवहरनमननकरलअमना
 मनधरतसकलखलडरतवदतयशजगधन ॥ धनधनन
 रपदरजगहतभजतलअमनजन । जननगननगपदधर
 तकथतपदअसठन ॥ ठनकतडफनरवरकहतधरनअस
 कथकर ४ करअलखअलखयशरटनजगतनरतनधर ।
 धरशरनचरनगतलहतअजरहरकहकर ॥ टे ॥ कर

यतनसकललखननवनकटतनहकनल । नलहरहरकर
 अधहरनशरनधरतजकल ॥ कलसकलजगतसलख
 खलधनधरतजचल । चलअसलडगरधरडरतरहतक
 सअसखल ॥ खलसहतरहततनदरदसकलधरधनध
 र १ करचलयशजगतअटललहतलखहरजन । ज
 नशरनगहतअघजगतसकलहररटहन ॥ हनखलगन
 दलधनशरधरकरअसकररन । रनकरतडरतखलजरत
 सकललखअघगन ॥ गनकहतदहतनरसकलदरदक
 रशरधर २ करकरनरहरयशरटनलगनकरननन ।
 नननलखनरतनघटतचलतलखजरतन ॥ तनअस
 लअजरलखरचतरहतधरखलजन । जनतजतसकल
 लखदरदसदनधरहरधन ॥ धनसकलकहतनरचरनश
 रनगतरतधर ३ करयतनरतनधरतसकरलहतनरख
 अस । असरखतनसतजगकलकलतसकरलहकस ॥
 कसकनकसरसलखरतनजडतयहहरजस । जसरटत
 अटलगतलहतकतहरहररस ॥ रसकसहरजसअस
 अलखचरनगततनधर ४ ॥ रसखानिन्द ॥ कहिबचन
 पियसोंजोजनावतरोषककुतेहिजानिये । मध्याअधीरा
 धीरहैयहनायकापहिचानिये ॥ कहदुबेरामप्रसादअब
 यहिभांतिवन्दबखानिये । कविजनचतुरयहिवन्दको
 रसखानिजीमेंमानिये ॥ धोका ॥ सगनप्रतिचरणचारआ
 वै । द्वादशबरणगिनेजावै ॥ चारदीरधकविजनजावै ।
 ह्रस्वधरआठवन्दगावै ॥ रामप्रसादनेकियाबखान । व
 न्दइसकोतूत्रोटकजान ॥ वन्द गोटक ॥ बनितैलखिलाल
 नशोचभरी । सकुचैमनपूखतबातहरी ॥ टंक ॥ कसभा

मिनिभूषणदूरकरौ।युगनेनमनोकछुरोषभरै ॥ तुमबोलत
 नाकसमोनधरे । शुभकेशकपोलनपैबिधरे ॥ कसनाहिं
 बिलोकतयादिसरी १ हमतोतुमकोकछुनाहिकहा । तुमतौ
 मनमेंकछुमानगहा ॥ हमरेचितमेंअसशोचभहा । लखि
 कैतुमकानहिंधीररहा ॥ पलकीसमबीततमोहिंधरी २ कहि
 बालहमेंदुखकौनभला ॥ तुमसेमनभावनजाहुलला ॥ कहि
 बैनरुषासधरैअबला । जनुसोहतदेहधरेकमला ॥ बति
 यांकहतीनिठुरासखरी ३ बनितैअसपीसनबैनकहे । बच
 नोरिसअंतसनेहगहे ॥ तरुणीमुखलालबिलोकिरहे ।
 रतिकेहितलालहियेउमहे ॥ रसखानदुबेकधनीसगरी ४
 बचो ॥ प्रथमैसगनयुगभगनअंतहिजगनधरहुसुधारकौ।
 द्वादशवरणप्रतिचरणमेंधरुबेददीर्घसमारकै ॥ प्रतिचर
 णमेंबसलघुधरुकाव्यग्रंथविचारकै । यहुछंदप्रतिभाटि
 काकहावतदखनयननिहारकै ॥ धोषा ॥ दोसौचौसठ
 वरणसुजान । छंदमेंगिनतीकरकेआन ॥ दीर्घअट्ठासी
 वरणप्रमान । एकसौबीहत्तरलघुमान ॥ वरणइतनेजिस
 मेंआवै । छंदप्रज्झटिकाकविगावै ॥ धारो ॥ सखिलेखेल
 तहैबिमलफाग । सबगावैमिलकेसरसराग ॥ टंक ॥ कहुं
 बाजेमुरलीमधुरताल । तबलामोहरढोलकविशाल ॥ घुं
 घुरूकीगतनाचतरसाल । गिरिधारीसंगमेंसकलबाल ॥
 लखहोरीउठतामदनजाग १ कहुंतासातुरहीजलतरंग ।
 सहनाईचुटकीगतिउमंग ॥ फिरकैतालनपैचढ़तमंग ।
 करडालेसबकेअरुणअंग ॥ बनसोहैजनुहैअमरबागर
 सखिधावैकरमेंभरअबीर । मलकैगालनकैतरसुचीर ॥
 पिचकारीचलतीअतिगंभीर ॥ भुकभूमैकिलकैकुलि

अहीर । निरखैवात्रविगोभरमभाग ३ गुणगावैशिव
जीसकलवेद । नहिंपावैजिनकाकबहुंभेद ॥ सपनेमें
कबुनाहरषखेद । द्विजतूतजभैचरणोंमेंलाग ४ प्रति
चरणमेंइकइसवरणगिनिकैगुणीजनलाइये । चारसौ
बासठवरणसबछंदमेंदरशाइये ॥ प्रतिचौकपरधरियुग
लभेलादशवरणसमभाइये । कहदुबेरामप्रसादयहि
बिधिछंदकथिकैगाइये ॥ घोषा ॥ भोरभयेबोलनलागे
काग । लोगसबउठेनगरकेजाग ॥ ध्यानभक्तोंकाहरिसे
लाग । चलेकलैगीवालेसबभाग ॥ व्यालप्रभाती ॥ कर
जोरेगिरिजाजीकहतीजागपड़ेसबयोगयती । त्रिभुवन
केशिरताजश्रीमहाराजजागकैलासपती ॥ टेक ॥ दीपक
हुयेमलीनप्रातभाअरुणशिखालागेबोलन । तेजमंद
भाचंद्रवंदगौवनसबैलागेखोलन ॥ बाटमेंचलनेलगे
बटोईवनमेंखगलागेबोलन । सूरजकीन्हप्रकासजगेहैं
दासपवनलागेडोलन ॥ कला ॥ जागोजीजागोअबिना
सी । भोरहोगयोरजनीनासी ॥ मैंतुम्हरेचरणनकी
दासी । खड़ीकहैअसपारबती १ प्राणनाथमुखधोवहु
उठिकैकंचनझारीनीरभरी । भसमचढ़ावहुअंगभंग
पीनेकोघुटीतयारधरी ॥ ब्रह्मलोगचतुराननजागेअमरा
पुरमेंजागेहरी । ध्यावैंतुम्हेंमुनीशचराचरईशनींदतुम्हें
आईखरी ॥ कला ॥ फूलेकमलबुपेहैंतारे । कागबोलते
प्रीतिमप्यारे ॥ जागपड़ेहंगणतुम्हारे । निजपतिसेवन
लागीसती २ भवैरकरैगुंजारफूलोंपैभरनचलीबनिता
पानी । बालबहारैधामकामरिपुअवतुमसोवहुक्यों
दानी ॥ गंधूपकरतेगानतुम्हारायशवरणैमधुरीबानी ।

प्राणनाथममनाथसच्चिदानंदउठोअवघड़दानी॥ केला ॥
 उठोनाथजीमज्जनकीजै । दासोंकाजैदर्शनदीजै॥ बरदै
 कैस्वामीयशलीजै ॥ जागउठहुअवप्राणपती३जागेशं
 भुत्रिभुवनकेदाताजैजैजैसुरलागेकरनाकरकपालमुंडन
 किमालअरुशीशचंद्रमागौरवरन॥बाघम्बरपरआसन
 कीन्हैडमरूबाजैबिमलकरन । कहतेरामप्रसादशंभुहो
 यादराखियेमोहिंशरन ॥ केला ॥ धन्नालालगजाननगा
 बै।खेतसिंहलैचंगबजावै ॥ बिनैनरायणसिंहसुनावै । ग
 णेशचाहतशुद्धमती ४भोरभयोपहफाटनलागेजागपरे
 सबनरनारी । जागहुहरिसखधामश्रीघनइयामकहैराधा
 प्यारी ॥ टेक ॥ अरुणशिखौनेशोरमचायाचकहीपीकोमि
 लनचली । भौंराकरतेशोरओरचहुंफूलीसरमेंकमलक
 ली॥चिरईचुहचुहकरैधाममेंलगेबटोहीचलैगली।सखा
 उठेसबजागबोलतेकागकहैदृषभानलली ॥ केला॥जागो
 जीजागोयदुनन्दनाजागेदासकरैहैंबन्दन॥जागोस्वामी
 कंसनिकन्दन । मुरनरमुनिकेहितकारी १जगेसकलसाधू
 संन्यासीहरिजनलागेध्यानकरना । आदितकीनप्रकाशरै
 नकानाशमन्दभैचन्दकिरन ॥ लैलैघड़ागईसखियांसब
 यमुनाजीकोनीरभरन । जागींब्रजकीबामसबैनिजधाम
 कामकोलगींकरन ॥ केला ॥ भानुउदैभैत्रिपनेतारे जागो
 जीमनमोहनप्यारे ॥ तुम्हेंपुकारैंसखातुम्हारे । बेगिउ
 ठहुगिरिवरधारी २ उठिमुखधोवहुनन्दलालजीभ
 राधराभारीमेंजल । जागोजीमहराजलखैंब्रजराजभानु
 आयेहैंनिकल ॥ बन्दीविरदावालिउच्चरैंब्राह्मणपढ़ते
 वेदबिमल । बाजैतालविशालद्वारपैगन्धर्वकरतेगानस

कला ॥ फेला ॥ टेरगयेबलदाऊभ्रातानन्दप्रिताजीयशुदा
माता ॥ जागौजीत्रिभुवनकेदाता । गउबैंचलीबनकोसा
री ३ मुखधोवहुअबजाहुदुवारे साधूजनदरशनफा
वैं । देखितुम्हारीप्रभासभायुतनन्दबषामनहरषावैं ॥ रा
मप्रसाददुबेनिशिबासरनाथतुम्हारेपदध्यावैं । देहुअ
भैबरदानदासनिजजानतुम्हारेगुणभावैं ॥ फेला ॥ मुंशी
मनसुखलालागाते । खेतसिंहचैंगकोखड़काते ॥ नराय
णसिंहनामैगति । दयालरहतेबनवारी ॥ ४ ॥ यशो ॥ कु
ठविचारगनकनहीं यहिछन्दलक्षणजानिये ॥ दिगपा
लवेदप्रमाण अक्षरप्रतिचरणमेंठानिये । आवैंसोरठा
चारजिसमेंमध्यछन्दकेजानिये । यहिभांतिरामप्रसाद
भाषतछन्दविद्यामानिये ॥ धोसा । चारसौअठतालिसध
रध्यान । वरणसबछन्दकेयेपरमान ॥ सोरठाचारमध्य
मेंअन । येविद्याछन्दहैकहाबखान ॥ रामपरसादनेकथ
गाया । हरिकेचरणोंमेंचितुलाया ॥

सोरठा सोरठा सोरठा सोरठा
भ ली व नी है ब्र ज प ति प्र भा तु म्हा री
ज ब हिं ल खी ट ग सों में थ की बि चा री टे
ले ता जी ज ब से मा र त मै म क सा ई
ना ये ट ल ती है ता नै जो म ल जो गा ई
म कु ट ज दा ऊ सु भ ग जो ति है खा ई
म न में सा जै ख ख मा ला ग ले सु हा ई
हे आ ज गा त दे खा शु भ ने क मु रा री
श ब गा त ज लै नि द्रा नि श मे ना आ वै

उ र आ ग ल गी आ वै वै जो र ज मा वै
 न व द न्दा व न दिख ते दा इ मि टा वै
 सा स आ प दु इ जो र वो ता क ल गा वै
 दा ह प य ही र ति प ति स र सै मा री २
 नी र लै धा व त है ह रि व न मे आ कै
 आ स क रे उ म गी आ ति सु ख मे पा कै
 न वा ने ह बा दा र ति दु ख हि न सा कै
 को कै से री य हु सु ख स के आ ली गा कै
 गा व हु को म ल ता न सु धा सु ख सा री ३
 व ना ठ ठ दी प क औ य म न वे गा ली
 त न म न से ह रि जी चा है वो भो पा ली
 शा रें ग का सु र ये मे रों ते ज वि शा ली
 र स धा म श्री प द हे ब्र ज रा जा ख्या ली
 द र सै मा धौ जी या वि ध सु र वै रा री ४
 शे श ल जा वै आ भ र न बे न नि हा रे
 श ब गा त ल खै बाला ब श में जी वा रे
 ता न ह दे ठ नि नि ह चै ता म हूँ प्या रे
 हि उ त ख ग बा जै बे न केशो भा भा रे
 तू तौ ले त क ये का न्ह की तू अ लि था री ५
 क थ ऐ शो इ भारी छं द ज बे जी आ वै
 स वै स भा सु ख मा नै य स हि ज गा वै
 ना म न रा य ण या तु भ को फ र मा वै
 म ग जा म त चा तु र तै र मा से गा वै
 जि ह रि की म ति ही न र है सु ख का री ६

मुनिभगनगिनि कैधरोगुरु एकलघुपुनिजानिये । यह छंद
 कहत चकोर शुचिकवि जनइ से पाहि चानिये ॥ कहते हैं राम
 प्रसाद पिगल कामताल खिठानिये । यह काव्य है आनंददा
 यकदुःख नाशन मानिये ॥ घोषा ॥ प्रतिचरण तेइ सबरण
 विशाल । आठ हैं दीरघ ततकाल ॥ पंद्रह वरण हस्व शुभ
 चाल । धौसागाते मोहनलाल ॥ चबोर छंद ॥ है शशिभा
 ल विशाल रसाल कपाल किमाल लसै शिरगंग । गानमुनी
 श कहै सुरई शफरी शगिरी शमुता अरधंग ॥ टेक ॥ आदि
 अनंत कहै श्रुति संत कवी शमनंत अनंत पुरार । एक अखं
 ड सबै ब्रह्म एडनिहार अडंडी शिवै चितधार ॥ गावत बेदन
 पावत भेद अभेद अखेद सदा निरधार । शांति सुजान सदा सु
 खखान पुरान कहै गिरिजापति सार ॥ गात अनुपसदा शिव
 रूप चराचर भूपपिये विषभंग १ तीन सुनैन मनोहर बैनन
 शावन मै नमहा बलधाम । हौं करतार सदा भरतार अपार पु
 रार सदा निष्काम ॥ वासम शान छबी बहु भान सदारत गान
 अनेक ननाम । है भवनाथ कमंडल हाथ अनाथ सनाखल
 है बिसराम ॥ शील अगारद है भवभार चितार चिछार च
 दीनित अंग रत्नैतिर शूलन शावन शूल सदा तुम मूल अत्रे
 महाराज । राजत शील चदे तुम बैलन शील रहे सब ठाम विरा
 ज ॥ हौं रणधीर गौं भीर सबै गुण भीर हौं जनके करिकाज ।
 केहरि बाल बिछी सब काल कराल दयाल किभूत समाज ॥
 गौर सुहावन है तन पावन पापन शावन है गनसंग ३ राम
 प्रसाद करै पदयाद महेश अनाद करौ उरवास । आठहुया
 मज पैं शिवनाम मिलै सुरधाम कहै भवफास ॥ शंकर बंद अ
 नंदर है मतिमंदन फंद परै कहु आस । जीवत चैन लहै दिन

रैनकरैमुखसैनसबैदुखनास ॥ मोहनलालकहैततकाल
 बजाशैभुतालसभाबिचचंग ४ डारिलछंद ॥ धोका ॥ प्रथम
 छंदकिजातदंगलबीचमोहिंघताइये । फेरपात्रेरूयाल
 ह्यांपरशायरीकरगाइये ॥ बरणीकयामात्रिकहैकयानाम
 छंदबताइये । कहैदुबेरामप्रसादपात्रेचंगआपबजाइये ॥
 धोका ॥ चरणप्रतिसोलहकलाआवै । पिंगलनागयेफर
 भावै ॥ रामप्रसाददुबेगावै । छंदयहुडारिलदरशावै ॥
 तीनसौबावनकलासुजान । देखपिंगलधरछंदमेंआन ॥
 छन्द डारिल ॥ तरसतनैनाबिनामुरारी । डरपैजीलखिनिशि
 औंधियारी ॥ १ ॥ कोयलकूकतहैदइमारी । पावसदेत
 हमेंदुखमारी ॥ नंदनंदनेसुरतिबिसारी । किनसौतनने
 जादूडारी ॥ बिनमाधौहमबहुतदुखारी १ हैकोऊब्रजमें
 हितकारी । दूरकरैयाविपतहमारी ॥ मारैपिहैपंखउ
 खारी । बोलैसुनैनाविरहिननारी ॥ कपटीनिकरेस
 खीबिहारी २ क्षणआंगनऔक्षणकअटारी । जीडर
 पैलखिसघनघटारी ॥ नहिंभावैदामिनीछटारी । उर
 कसकतहैकामकटारी ॥ बिनहरिकेयहहोतदशारी ३
 तलफतहैवृषभानदुलारी । चहुंदिशिबरसतवारिनि
 हारी ॥ अबदरशनदीजैगिरिधारी । कहैरामपरसाद
 पुकारी ॥ कबसमभैयहकथनअनारी ४ ॥ धोका ॥ नगन
 आवहितनिछंदमेंलघुअंतदरिघमानिले । ग्यारहवरण
 प्रतिचरणमेंयहछंदभेदहिजानिले ॥ नहिंहोयतुभमेंज्ञा
 नतौपिंगलमतेकोझानिले । कहतेहैरामप्रसादयहकथ
 नीसरसपहिंचानिले ॥ धोका ॥ दोसौवरणबयालिसजान ।
 देखइसछंदमेंकहेबखान ॥ रामपरसाददुबेकाज्ञान । कहा

जोपिंगखनागसुजान ॥ वृन्दयहुदमनककहलावे । भेद
विरलाइसकापावे ॥ बरसतजलबहतगली । तलफतल
खसकलअली ॥ टेक ॥ डरपतमनचढ़तअटा । लख
सरसतसघनघटा ॥ जलब्रहरतचढ़तअटा । नदसरज
लअधकपटा ॥ हमकहैयहसवतिखली १ तनमनसब
मदनदहे । तनठहरतअवधलहे ॥ सवतिनघरसजनर
है । हमसबतनदरददहै ॥ अबसरसतमदनबली २
तलफतसबकटतघरी । यहगतिसबमदनकरी ॥ हरदम
हमरटतहरी । घनगरजतदहतखरी ॥ हमसबतनभसम
मली ३ तलफतमदबशअबला । जबचमकतल
खिचपला ॥ दमनकपदकहतभला । गनसबलखबरन
कला ॥ कबकथमनसुखसरली ४ ॥ चकी ॥ रगनप्रथ
महिफिरसगनपुनितासुआगेथुगजंगना । फिरतासुआगे
घरिभगनअंतैरगनधरहोमगन ॥ मतिमन्दकोकुञ्जकाम
नाइसकाव्यकोसमभेसुजन । कहतेहैरामप्रसादगनतू
मत्तऔरपरेबरन ॥ धोखा ॥ अठारहवरणचरणप्रतिला
व । आठहैदीरघवरणदिखाव ॥ बरणहैदशलघुवृन्दब
नाव । चरचरीकथकेमोहिसुनाव ॥ चारकमचारसौअक्ष
रआन । रामपरसाददुबेकाहान ॥ चंघरी ॥ बाजतीसुनु
बीनबैरनहैकहूँनँदलालकी । नैनमानतनासखीबिजी
बसीबिनमालकी ॥ टेक ॥ बानसेउरमांभलागततानतोड़
तजोरसे । चैननापड़तीहमेंजियजातमैनमरोरसे ॥ धाम
मेंकखनापरैचितलागनन्दकिशोरसे । मेंमिलींकसकैस
खीबनजायकैचितचोरसे ॥ हेसखीलगतीहियेममतान
दीनदयालकी १ कैगईहमकादुखीअबलाबिनावल

जानरी । दाहसीउठतीमरीअबबैदमोहनआनरी॥ हैल
 गीजियमेंलखी वहजोरसेकसतानरी । लाबुलाहरिकाय
 हांतकदेसखीजियदानरी ॥ हैचुभीजियमेंसखीवहभों
 कमाधवचालकी २ आशहैहरिकोमिलीअबमांभका
 ननआजरी । हीलगोंउनकेसबैतनमेंअभूषणसाजरी ॥
 एकतोयहमोहिबैरनमोतिहैकुललाजरी । दूसरेमनमेंबि
 राजतहैंसदाब्रजराजरी ॥ तीसरेतनमाहिंफांससमान
 बीनकरालकी ३ बेनबाजतहैभलीमहराजमोहनआद
 की । कोकहैउपमाकहौवहवेनकीशुभनादकी ॥ हैसुधार
 समेंभरीयहकाव्यरामप्रसादकी । जोसुनैसमुझैउसेनहिं
 चाहबादबिबादकीदेखतौकथनीभलीयहचंचरीततका
 लकी४॥ कन्दकुसुमविचित्रासजी ॥ धरुनगनफिरधरुयमनफिर
 बगनयगनविशालहै । द्वादशवरणप्रतिचरणमेंयहका
 व्यदेखविशालहै॥ कहैदुबेरामप्रसादमेराचंगवजेचौता
 लहै। सुनवरणइसचन्द्रकेतेराकिधरकोरूयालहै ॥ घोषा ॥
 दोसौघोंसठवरणसुधार । चरणप्रतिगिनलेबारहजार ॥
 दीर्घअट्टासीधरेनिहार । चरणप्रतिआठह्रस्वविस्तार ॥
 चन्द्रयेकुसुमविचित्राजान । रामपरसादनेकहाबखान ॥
 हरिसुधमेरीसखीबिसराई । अटुवरषाबैरनअबआई ॥
 दे० ॥ चहुँदिशिमेराखगगनबोले । जलवरषैभारुतअति
 डोले ॥ सखिनिरखैमेघापटखोले । तनसजिकैभूषणअ
 समोले ॥ अतिखुशहोतीपतिउरलाई १ सखिवरषामै
 अतिदुखदाता । घरबनआलीअबनहिंभाता ॥ घनगर
 जैजीअतिथहराता । रटपपिहायेपिघपियगाता ॥ दम
 कतकोंघाअतिदुखदाई २ चहुँदिशिआयेलखिघनकारे ।

उमड़त आलीस बनद नारे ॥ बरबस देता मनमथ जारे ।
 चुपरहुरे को किलद इमारे ॥ उरक बलागै सखियतुराई ३ ॥
 बसखिदेखोतनमनसाधे । हरिगुणगावोनिशदिनराधे ॥
 हितचितसेयेपदअवराधे । हरिमिलनकेवलमनबांधे ॥
 द्विजकथनीअकथकरगार्ई ४ ॥ ॥ सोलाकलाप्रतिचर
 णआवैवरणग्यारहवर्णतू । करचातुरीयहिभांतिकधिकै
 गावबाइसचर्णतू ॥ छंदहैयहुछंदमेंलेदेखलेउदाहरणतू ।
 कहैदुबेरामप्रसादलखुयहुपदधरीरुतधर्णतू ॥ ॥ कठि
 नहैकाव्यबनानाछंद । इसैक्यासमभेतूमतिमंद ॥ जोर
 लीतुकैबकैफरफंद । बनगयेशायरमूसरचंद ॥ नदेखीका
 व्यनपिङ्गलकोश । कहाँसेहोयकाव्यकाहोश ॥ आलीवह
 बाजतबीनआज । सुनिकैधुनिठूटीलोकलाज ॥ ॥ मनब
 साहमारेनंदलाल । अद्भुतशोभाहैमुकुटभाल ॥ काननमें
 कुंडलहैरसाल । पीतांबरसोहैबिमलमाल ॥ यमुनातटरा
 जैमहाराज १ जादूकरतीहैमधुरबीन । बंशीबजायकैबि
 बशकीन ॥ मनतानसुनाकैमोहिलीन । बंशीमेंबाजतगति
 नवीन ॥ वहसातौस्वरसेकैमराज २ हमकानहिंभावैखा
 नपान । जबसेसुनपाईवीनतान ॥ लागेउरमेंहैमदन
 बान । सखिभूलरहाजीबीचतान ॥ नाभूलैतहमकाधा
 मकाज ३ यहबैरनबंशीशब्दशोर । नाभूलैकरतीशो
 रघोर ॥ रामप्रसादभाप्रातशोर । यहधूममचावैखोर
 खोर ॥ मुरलीमेंमोहीसुरसमाज ४ ॥ ॥ चारजगनप्रति
 चरणआवैह्रस्वआठविचारतू । चारदीर्घप्रतिचरणकर
 काव्यमतबिस्तारतू ॥ कहैदुबेरामप्रसादअवयहुछंद
 भेदनिहारतू । यहछंदमोतीदासकरकेदेखलेप्रस्तारतू ॥

धोषा ॥ खगेन्द्रदगानेढेदुबमार । तुकलीजोड़बनेहुशिया
 र ॥ करेंअशराफोंसेतकरार । आखिरशगानेमेंगैहार ॥
 रामप्रसाददुबेगावै । छंदपिंगलसेदरशावै ॥ छंदमोती-
 बम्मारटोंगिरिजासुतहैंगुणधाम । लजेंछविदेखतकोटिन
 काम ॥ टेक ॥ बिद्याम ॥ बिराजतनेनबिशालरसाल । सदा
 सुखदायकदीनदयाल ॥ लियेफरसाशशिसोहतभाल ।
 लसैगरमें शुभमोतिनमाल ॥ मजैगनराजलहैबिस
 राम १ कहेगननामनशातकलेश । सदागुणगावत
 जासुसुरेश ॥ लसैशुभमूसनगातसुवेश । कहैफलदायक
 शेशमुनेश ॥ सबैसुरगावतहैंनितनाम २ भनैनितबेद
 बखानतसंत । कहैसबआदिअनादिअनंत ॥ गजा
 ननकानहिंपावतअनंत । बलीभुजचारिलसैयकदन्त ।
 बिनाशतशूलसुखीसबयाम ३ मजैपदपंकजरामप्रसा
 द । दयानिधिहोतुमईशअनाद ॥ करैहरिनामनरायण
 याद । बिजैतुमदायकबादबिबाद ॥ कहैबटईनित
 राहललाम ४ ॥ पकी ॥ प्रतिचरणमेंभगनतीनबिचार
 गुरुलघुकोधरो । बरणग्यारहचरणकेबिस्तारतुमयहि
 बिधिकरो ॥ देखपिंगलकविमतेफिरछंदविद्याचितधरो ।
 यहछंददोधकजानलेयहिरीतिसेछंदकोभरो ॥ जीसा ॥
 खुलेनाजबतकछंदकीजात । सहीनाउसकबिताकीवात ॥
 करेतूमतभगनेकीघात । आजदंगलमेंहुयेतुममात ॥
 रामप्रसाददुबेगावै । चंगदंगलमेंखड़कावै ॥ बन्दबोचक ॥
 श्रीनँदलालनहींघरआये । मैंनहमैंदिनरैनसताये ॥ टेक ॥
 मोहिननींदहरीबिनआवै । तापरदादुरबोलसुनावै ॥
 सावनमेघमलारनभावै । कोयलकूकतहूकउठावै ॥ घेर

चहुँदिशिवादरआये १ माधवनेब्रजराहबिसारी । भै
कुबरीउनकीनारी ॥ पावसदेतहमेंदुखभारी । शोचत
हैंसबवामबिचारी ॥ हारश्रृंगारहमेंनहिंभाये २ बारिल
गीवरसाचहुँबोरा । आवतनाघरनंदकिशोरा ॥ मारत
केचहुँओरभकोरा । देतघनोदुखबोलतमोरा ॥ चातक
बोलनदेतजलाये ३ रामप्रसादबिनानैदलाला । काम
बिथाबिलपैसबबाला ॥ मोहनलालकहैगुणवाला । बा
जतचंगसभाबिचआला ॥ कूरकबिसुनकैघबराये ४
भेदकुछजानानहींतूनेगुनीजनवृंदको । जोरतुकगानेल
गेमारगसीखाफरफंदको ॥ ज्ञानतुभमेंहैनहींचैलातूंमू
सरचंदको । कहतेहैंरामप्रसादतूसाधूसरामतमंदको ॥
घोषा ॥ चरणप्रतिचारभगनपरवीन । वरणद्वादशकीगि
नतीकीन ॥ चारदीर्घहैंआठलघुलीन । इसेतूक्यासम
भेमतिहीन ॥ वृंदयहुमोदककहावखान । रामप्रसाद
दुबेकाज्ञान ॥ आजसखीमुरलीधुनिवाजत । पीरहिये
हमरेउपराजत ॥ ॥ याबसरीअसरीजियजारत ।
जानिहमेंअबलाहठिमारत ॥ बैठहियेउरबैरनजारत ।
मोहनमंत्रमनीपढ़िडारत ॥ सातसुरौमधुरीधुनिगाज
त १ रैनसमैसखिनींदनआवत । कामबिथाअतिजो
रजनावत ॥ मोहिसखीघरनेकनभावत । मोहनवाजब
बीनवजावत ॥ जीहमरोहरिकेदिगभाजत २ जीहुलसै
वनदेखहुपावन । वेगचलौजहैंहैनमनभावन ॥ मोहनहै
जहैंमोदबढ़ावन । सोहतकोटिनकामलजावन ॥ साथ
सखाहरिआपविराजत ३ रामप्रसादभजैपदपंकज । जो
सुमिरैसनकादिकऔअज ॥ भूलमतीमनसापदतूंभज ।

मोहनलालचहैपदकीरज॥पातकभागतनैननआजत४
 बिनाइयामकेदरशसखीरीमानतबैरीनैननहीं । बिनवन
 मालीहमेंनिशिबासरपरतीचैननहीं ॥ ८ ॥ मुनिकोतात
 तातताकोतातातनाममोहिंनहिंभावे । मरालपतिकोता
 तआतागणबहुदुखउपजावे ॥ शूरसेनसुतनारिबंधुदासी
 कोबिहारीउरलावे । वेदनखतलैग्रहमिश्रितमहँबनिता
 दुखपावे ॥ चित्राअग्रहितूकेसजनीभावतहमकोबैनन
 हीं १ हरिकेसखापितापितुमातामातुशत्रुभेदुखदाता ।
 बारिधितनयाकांतदलसोरसखीमोहिंनहिंभाता ॥ गंगा
 तनैशत्रुहितुआलीअजयामनहिंपहुंचाता । तनमनजा
 रौसिंधुसुतापतिबलत्रियजेंकोऊगाता ॥ अनंदतेआका
 रत्यागसुतकेसंगकीन्हीसैननहीं २ गिरधीकोतादासस
 होदरहितुहमेंनाआवतहै । मंदरआननमध्यहरिबसैंहमें
 तरसावतहै ॥ सिंधुसुताआतापतिरिपुआलीरीअंगजला
 वतहै ॥ सुरअरिस्वामीतासुहावनअतिशोरसुनावतहै ॥ सो
 मअभ्रदिनमातुतनैशत्रुबिनबीतैरैननहीं ३ भालसुतापु
 नितापतिताकेनामैरामप्रसादगहे । अहिपतिभाखैयथा
 रथसोजसपिंगलदेखकहे ॥ ढोलाबटईकहैपापसबराधा
 माधौकहतदहे । बिनगुणगायेकहैदुर्गाप्रसादभवमांभ
 बहे ॥ मोतीपुरीयोंकहैइयामसमपावतकोटोमैननहीं ४
 कहरवा ॥ मतकरहुलालबरजोरी । भलामैंतौतोसेनखेलों
 होरी ॥ ८ ॥ तूनेमेरीरेशमकीचोलीफारी । घरसासुब
 हुतदेगीगारी ॥ मुंहपरहमरेपिचकारी । तकलालसखिन
 बिचमारी ॥ गईभीजकुसुमरँगसारी । हमजाबललन
 घरमारी ॥ कुचगहतमालमोरिटोरी १ तूकरकैसरबोर

भिजावै । मुखमलतगुलाललगावै ॥ कुचकरगहिजोर
जनावै । सखियनसेहमेंधरलावै ॥ नहिनेकललनसकु
चावै । हैंसिहैंसिमोहिंकंठलगावै ॥ हैंसिरहींसकलपुर
गोरी २ तुमबकतहजारनगाली । सुनकरसबहैंसतीआ
ली ॥ नटखटमनमोहनचाली । मोहिंपरपदमोहनीडा
ली ॥ यहसुरतटरतनाटाली । अबदेओंइहमेंबनमाली ॥
अंगरंगकरदौसरबोरी ३ वहबालबहुतघबरावै । च
रणनपरिविनैसुनावै ॥ निजसंगहरिहोरीखेलावै । हि
जरामप्रसादसकुचगावै ॥ नरवरसिंहचंगबजावै । चंगऊ
परतुराभलकावै ॥ यहकथनसुनौरसबोरी ४ ॥ छंदमोतीदाम ॥
कहोंमनमूढ़भलीयहबात । भजोरघुनायककोदिनरात ॥
टेक ॥ अरेशठकालसदानियरात । महाबलवंतनतोहिं
दिखात ॥ अचानकआकरकंठदबात । सहायनहोबनता
तनमात ॥ सबैधनमालयहींरहजात १ नदीयमयातन
मानकराल । भयंकरहैजलजीवबिशाल ॥ नकेवटनावन
मीतकृपाल । तहांचितदेखतहोतबिहाल ॥ वहांफिर
कोअवलंबधरात २ हरैंतहैंसंकटदीनदयाल । प्रभूसब
दासनकेप्रतिपाल ॥ सुनेजबटेरचलेततकाल । दयाक
रलेवतबेगनिकाल ॥ उबारतवारननेक लगात ३ जपै
कसनाअसनामअजान । जुहैशतकोटिनकालसमा
न ॥ गहैप्रतिबिंबनताकरमान । रहैजिसकेशिरपैभग
वान ॥ रटौजिनसेयमराजडरात ४ गुरुममरामप्रसाद
सुजान । रटैंरघुनन्दनकोगुणगान ॥ कहैंसरदारसभा
दरम्यान । अरेकलंगीकलिकोफँदजान ॥ गुणीपरसाद
यहीसमुभात ५ परोममतामदकेअबफन्द । जरानहिं

धेततरेमतिमन्द ॥ टे ॥ फैसोशठमोहमहाभ्रमजाल ।
 कहैममहैसबयेधनमाल ॥ अहैगृहमेंगजगामिनिबाल ।
 शशिबदनीरतिरूपरसाल ॥ दोहा ॥ भाईभामिनिसुता
 सुत मेरोअतिपरिवार । मेरोकुलऊंचोअधिकसबबिधि
 हूंमेंभार ॥ भयोखलिकेसबठगुटअनन्द १ रटैममरेम
 रेमनबैन । लहैचितमेंशठनेकनचैन ॥ भयेतबसावनआं
 धरनैन । हरोरँगसूझतहैदिनरैन ॥ दोहा ॥ हरोहरोपर
 धनकहत हरीहरीपरनार ॥ हरीहरीनहिंभजतखल मू
 रखमूढगवौर ॥ जपैकसनाहरिमूरखचन्द २ नहींयम
 कोडरहैलवलेश । कहैयहितेमममूढहमेश ॥ अरोशिर
 देखतनासितकेश । दियोयहआकरकालसँदेश ॥ दोहा ॥
 कालमहाबलवंतसनबचोनकोईकाल । कालसिरावैतोर
 जबहोहैकौनहवाल ॥ डरैशठकालभजेसुखकन्द ३ गुरू
 अतिनागररामप्रसाद । करैरघुनन्दनकोगुणबाद ॥ कहै
 सरदाररहीलघुम्यादा । करोइसमेंप्रभुकोखलयाद ॥ दोहा ॥
 श्रीपतिभजननबोदनरकहतहैप्यारेलाल । प्यारेलाल
 जुत्पागहूअवशिहोहुकंगाल ॥ निरादरहैकलैंगीकरद्व
 न्द ४ निवेदननाथकरोंकरजोर । दयाकरनेकलखोमम
 ओर ॥ टे ॥ अहोंप्रभुमूरखमेंमतिहीन । विषैरसमोर
 रहैमनलीन ॥ अघीपरानिन्दकहोंअतिदीन । तकोंनिशि
 बासरनारिनवीन ॥ दोहा ॥ मंत्रअनेकनसिधिकरोंबशी
 करणइत्यादि । नितनयपापहमेशमेंकरोनहैगोआदि ॥
 फैसोभवसागरमेंमनमोर १ नहींतपसंयमतीरथदान ।
 करोंनहिंसंतनकोसनमान ॥ सुहातनरामकथागुणगान ।
 महाअघमन्दिरहूभगवान ॥ दोहा ॥ प्रभुसुमिरींनहिंदीन